सुविचार

दुनिया की सबसे अच्छी किताब हम स्वयं हैं, खुद को समझ लीजिए, सब समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

बेंगलुरु ने जीत के साथ प्लेऑफ का टिकट किया पक्का...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 136 | दिनांक : सोमवार, 18 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

मोदी को मिला स्वीडन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती

स्वीडन के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित हुए पीएम मोदी

- व्यापार, रक्षा और एआई पर भारत-स्वीडन में सहमति
- 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' 1748 से स्वीडन का प्रतिष्ठित राजकीय सम्मान
- भारत-स्वीडन कारोबार 7.75 अरब डॉलर पहुंचा, नए निवेश अवसरों पर जोर

» प्रथम न्यूज । गोथेनबर्ग/स्टॉकहोम

17 मई (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन ने अपने सर्वोच्च राजकीय सम्मानों में से एक 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रैंड क्रॉस' से सम्मानित किया है। यह सम्मान किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को स्वीडन की ओर से प्रदान किए जाने वाले सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मानों की संख्या 31 हो गई है।

स्वीडन सरकार की आधिकारिक जानकारी के अनुसार 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार' की स्थापना वर्ष 1748 में की गई थी। यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने सार्वजनिक जीवन, प्रशासनिक दायित्वों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। भारत और स्वीडन के बीच लगातार मजबूत होते संबंधों तथा वैश्विक मंचों पर सहयोग को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता भी की। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, हरित ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), अंतरिक्ष, जलवायु परिवर्तन और आपूर्ति श्रृंखला जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया गया।

स्वीडिश प्रधानमंत्री क्रिस्टर्सन ने दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी की गोथेनबर्ग हवाई अड्डे पर विशेष अगवानी की। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने स्वीडन पहुंचे थे। मौजूदा यात्रा को दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाला माना जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान दोनों देशों ने आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर सहमति जताई। वर्ष 2025 में भारत और स्वीडन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। दोनों पक्षों ने व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए नई संभावनाओं की तलाश पर भी जोर दिया।

बैठक में स्टार्टअप सहयोग, नवाचार, रक्षा विनिर्माण और डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और स्वीडन लोकतांत्रिक मूल्यों, सतत विकास और वैश्विक शांति के प्रति समान सोच रखते हैं। इसके साथ ही लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने, शिक्षा और शोध सहयोग को विस्तार देने पर भी सहमति बनी।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी को मिला यह सम्मान भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और यूरोपीय देशों के साथ मजबूत होते रणनीतिक संबंधों का संकेत है। भारत और स्वीडन के बीच बढ़ती निकटता आने वाले वर्षों में व्यापार, तकनीक और रक्षा सहयोग को नई दिशा दे सकती है।

भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में दिखेगी भारत की ताकत

43 साल बाद नॉर्वे पहुंचे पीएम मोदी, ग्रीन टेक्नोलॉजी और समुद्री सहयोग पर होगा बड़ा समझौता

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

17 मई (एएम नाथ)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18-19 मई 2026 को नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के ऐतिहासिक दौरे पर हैं। पिछले 43 वर्षों में यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली नॉर्वे यात्रा है। इस दौरान भारत और नॉर्वे के बीच 30 से अधिक व्यापारिक और तकनीकी समझौतों की उम्मीद जताई जा रही है। इनमें ग्रीन टेक्नोलॉजी, एलपीजी सप्लाई, जहाज निर्माण और समुद्री सहयोग से जुड़ी डील सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। नॉर्वे के सरकारी फंड का भारत के शेयर बाजार में करीब 28 अरब डॉलर का निवेश है और इस दौरे में नए निवेश की घोषणा भी संभव है।

पीएम मोदी 19 मई को तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, जहां क्षेत्रीय सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक व्यापार पर चर्चा होगी। इस दौरे से पहले नॉर्वेजियन शिपओनर्स एसोसिएशन की निदेशक और भू-राजनीति प्रमुख लाइन फाल्केनबर्ग ओलेस्टैड ने भारत को नॉर्वे का प्रमुख रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक तनाव और मध्य पूर्व की परिस्थितियों के बीच भारत अंतरराष्ट्रीय स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रहा है।

ओलेस्टैड ने कहा कि नॉर्वे और भारत दोनों की समुद्री परंपरा मजबूत रही है और जहाज निर्माण, ग्रीन टेक्नोलॉजी तथा समुद्री व्यापार में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों के पालन और होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित जहाजरानी सुनिश्चित करने में भी भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। विशेषज्ञों के मुताबिक यह दौरा भारत-नॉर्डिक संबंधों को नई दिशा देने के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा।

संक्षिप्त न्यूज

25 मई को पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी राष्ट्रपति मुर्मू, 131 लोगों को किया जाएगा सम्मानित

नई दिल्ली (एएम नाथ)- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 25 मई को 2026 के पद्म पुरस्कार प्रदान करेंगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले पहले नागरिक अलंकरण समारोह में पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री पुरस्कार प्रदान करेंगी।

इस वर्ष भारत सरकार ने कुल 131 पद्म पुरस्कारों की घोषणा की है, जिनमें पांच पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं। इनमें 19 महिलाएं हैं। जबकि 16 व्यक्तियों को मरणोपरांत सम्मान दिया जाएगा। पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं। इन्हें वर्ष 1954 में शुरू किया गया था। ये हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर घोषित किए जाते हैं और कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, सार्वजनिक जीवन तथा व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं।

हिमाचल शहरी निकायों के चुनाव में 69.16 फीसदी मतदान

शिमला (एएम नाथ)- हिमाचल प्रदेश में रविवार को 51 शहरी निकायों के चुनाव के लिए मतदान का आयोजन किया गया। मतदाताओं ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान करना हर नागरिक का कर्तव्य है और उन्होंने अपना फर्ज निभाया है। सुबह सात से दोपहर तीन बजे तक मतदान हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार शहरी निकायों के चुनाव में इस बार कुल मतदान प्रतिशत 69.16 फीसदी दर्ज किया गया। जिला हमीरपुर में सर्वाधिक लगभग 78 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, जबकि जिला सोलन में न्यूनतम लगभग 64 फीसदी मतदान हुआ। इसी प्रकार श्री नयना देवी जी शहरी निकाय में सर्वाधिक लगभग 86 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। 47 नगर परिषदों व नगर पंचायतों के चुनाव परिणाम आज घोषित किए जा रहे हैं।। जबकि 4 नगर निगमों की मतगणना एवं परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया 31 मई को संपन्न की जाएगी। संपूर्ण मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाई गई, कैबिनेट की मंजूरी के बाद जारी हुआ अध्यादेश

अध्यादेश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद तुरंत प्रभाव से हुआ लागू

- सुप्रीम कोर्ट में वर्तमान में स्वीकृत कुल 33 जजों में से दो पद फिलहाल खाली

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

17 मई (एएम नाथ)

मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अधिकतम जजों की संख्या में इजाफा करने का फैसला किया है। इसके लिए कल देर रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद एक अध्यादेश (Ordinance) जारी किया गया है।

संसद के मॉनसून सत्र में इस बारे में एक बिल पारित किया जाएगा जो अध्यादेश की जगह लेगा। अध्यादेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है।

संविधान के अनुच्छेद 123 (1) के तहत जारी किए गए अध्यादेश में सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या को वर्तमान के 33 से बढ़ाकर 37 करने का प्रावधान किया गया है। इस संख्या में मुख्य न्यायाधीश शामिल नहीं होते हैं यानि व्यवहारिक रूप में ये संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। अध्यादेश के जरिए Supreme Court (Number of Judges) Act 1956 में संशोधन किया गया है।

हालांकि फ़िलहाल स्वीकृत 33 जजों में दो पद खाली पड़े हैं। समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाए जाने की मांग होती रहती है, ताकि मुकदमों को समय से निपटाने में मदद मिल सके। आखिरी बार 2019 में ये संख्या बढ़ाई गई थी जब मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर संख्या को 30 से बढ़ाकर 33 कर दिया गया था। 1950 में जब सुप्रीम कोर्ट का गठन किया गया था, तब संख्या केवल 8 थी। पहली बार 1956 में संसद में कानून बनाकर इस संख्या में बढ़ोत्तरी की गई और इसे 11 कर दिया गया।

संविधान के मुताबिक अगर संसद का सत्र नहीं चल रहा हो तो अध्यादेश के जरिए कोई कानून बनाया जा सकता है। शर्त ये है कि किसी अध्यादेश की मियाद केवल 6 महीने होती है।

6 महीने के भीतर अध्यादेश पर संसद की मंजूरी लेनी पड़ती है, जिसके बाद वो स्थाई कानून बन जाता है। संसद की मंजूरी नहीं मिल पाने पर कोई अध्यादेश स्वत: ही निरस्त हो जाता है।

केरलम में कल CM पद की शपथ लेंगे सतीशन

केरल में यूडीएफ की सरकार का गठन दो हफ्ते बाद होगा

- मुस्लिम लीग के 5 विधायक भी बनेंगे मंत्री

» प्रथम न्यूज । तिरुवनंतपुरम

17 मई (ब्यूरो)

केरलम में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के दो हफ्ते बाद यूडीएफ की सरकार का गठन होने जा रहा है। केरलम में सोमवार को नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। इस सरकार में कांग्रेस के वीडी सतीशन मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनकी सरकार में उन्हें मिलाकर 21 मंत्री होंगे। सतीशन ने रविवार को लोक भवन पहुंचकर गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को कैबिनेट की लिस्ट सौंपी।

वीडी सतीशन की सरकार में रमेश चेन्निथला भी कैबिनेट मंत्री बनेंगे। चेन्निथला भी मुख्यमंत्री पद की रेस में थे। हालांकि, हाईकमान ने सतीशन को चुना। कांग्रेस ने 14 मई को सतीशन को विधायक दल का नेता चुना था।

केरलम के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुवाई वाले छ्रस्न ने 140 में से 102 सीटें जीती थीं। लेकिन 10 दिन तक मुख्यमंत्री को लेकर फैसला नहीं कर पाई थी। मुख्यमंत्री की रेस में सतीशन के अलावा केसी वेणुगोपाल और चेन्निथला भी थे।

तीन दिन में फाइनल हुई मंत्रियों की लिस्ट

बताया जा रहा है कि केरलम की नई सरकार में कौन-कौन मंत्री बनेगा? इसे लेकर तीन दिन तक चर्चा चली। मंत्रिमंडल को लेकर चर्चा शुक्रवार को शुरू हुई और कांग्रेस नेताओं और गठबंधन सहयोगियों के बीच कई दौर की बैठकों के बाद रविवार शाम को लिस्ट फाइनल हुई।

राजधानी एक्सप्रेस में भीषण आग, दो कोच जलकर खाक

दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर बड़ा हादसा टला, 68 यात्री सुरक्षित निकाले गए

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

17 मई (ब्यूरो)

त्रिवेंद्रम से हजरत निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस (12431) में रविवार सुबह अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर मध्य प्रदेश के आलोट-विक्रमगढ़ रेलवे स्टेशन के बीच हुआ। घटना सुबह करीब 5:15 बजे कोटा मंडल के लूणीरीछा-विक्रमगढ़ आलोट सेक्शन में हुई, जिससे रेल यातायात भी प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार राजधानी एक्सप्रेस रतलाम स्टेशन से रवाना होने के कुछ ही समय बाद हादसे का शिकार हो गई। सुबह लगभग 5:30 बजे ट्रेन के बी-1 कोच में आग लगने की सूचना मिली। गार्ड ने तत्काल लोको पायलट को सतर्क किया, जिसके बाद ट्रेन को तुरंत रोक दिया गया।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और यात्रियों में दहशत फैल गई। कई यात्री घबराकर कोचों से बाहर निकलने लगे।

रेलवे कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए करीब 68 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर अन्य कोचों में शिफ्ट किया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि आग की चपेट में आने से ट्रेन के दो कोच पूरी तरह जलकर खाक हो गए। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

यह क्षेत्र रेलवे के कोटा मंडल के अंतर्गत आता है। हादसे के कारण दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर रेल संचालन प्रभावित हो गया और कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। रतलाम रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि रतलाम कंट्रोल को सुबह 5:20 बजे कोटा कंट्रोल से आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसके बाद तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घटना के बाद रतलाम से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन और टावर वैगन को मौके के लिए रवाना किया गया। रतलाम मंडल के डीआरएम अश्वनी कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्यों का जायजा लिया। जिला प्रशासन और पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहे। रेलवे प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन तकनीकी जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

मान सरकार का बड़ा फैसला

श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाई जाएगी श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

17 मई (एएम नाथ)

पंजाब की भगवंत मान सरकार पूरी ईमानदारी के साथ सूबे की तरक्की करने का प्रयास कर रही है। साथ ही एएपी यानी आम आदमी पार्टी की सरकार धर्म गुरुओं के प्रति सम्मान और श्रद्धा भी दिखा रही है। यही वजह है कि मान सरकार ने श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को लेकर एक अहम निर्णय लिया है। पंजाब सरकार श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाएगी। सीएम मान ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास की शिक्षाएं समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश देती हैं। एएपी सरकार श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। मान सरकार की ओर से इस ऐतिहासिक अवसर पर विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गुरुद्वारों और धार्मिक

स्थलों पर विशेष दीवान सजाए जाएंगे, वहीं, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। इसके साथ ही, प्रदेशभर में श्रद्धालुओं के लिए सफाई, सुरक्षा, परिवहन और अन्य जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। सीएम भगवंत मान ने कहा, 'श्री गुरु रविदास जी की विचारधारा सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का मार्ग दिखाती है। उधर, बीते दिनों पंजाब के सीएम भगवंत मान ने बटाला में सचखंड नानक धाम की पवित्र धरती पर, संत त्रिलोचन दास जी महाराज के 38वें 'गुरु गद्दी दिवस' को समर्पित 'नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रम' में हिस्सा लिया।

संक्षिप्त न्यूज

शिवसेना समाजवादी ने किया पार्टी का विस्तार,नए पदों पर की नियुक्तियां

जालंधर, 17 मई 2026-(डोगरा)-शिवसेना समाजवादी की एक विशेष बैठक मधुबन कॉलोनी बस्ती बावा खेल स्थित पार्टी कार्यालय में हुई। इस बैठक की अध्यक्षता शिवसेना समाजवादी के उत्तर भारत के सीनियर उप-प्रमुख राजेश रिंकू ने की। इस बैठक में भुलत्थ से सिमरन कौर को सचिव और रोहित कुमार को जालंधर वार्ड नं 59 का प्रधान नियुक्त किया गया।

दोनों ने विश्वास दिलाया कि वह तन मन धन और ईमानदारी से पार्टी की सेवा करेंगे और पार्टी को आगे बढ़ाने में हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर राजेश रिंकू ने कहा कि आंतकवाद के दौर में जो पुलिसकर्मी, पैरामिलिट्री फोर्स के जवान वह अन्य लोग शहीद हुए थे उनकी आत्मिक शांति के लिए 6 जून 2026 को हवन यज्ञ किया जाएगा और उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की जाएगी। इस बैठक में युवा पंजाब उप-प्रमुख सौरव कुमार,वार्डप्रधान ओम कुमार,शहरी उप-प्रधान दीपशूर,प्रिंस कुमार,परमजीत,साबी कुमार,शाम सुंदर,जसपाल सिंह,रोहित,शिवम,ऋषभ,विक्रम,मुनीश कुमार, करण, सौरव, पिंटू, रवि कुमार,अर्श,महिला इकाई से पूजा कुमारी, सिमरन,मुस्कान सहित बड़ी गिनती में शिव सैनिक मौजूद थे।

हेरोइन और अवैध शराब सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) - जिला पुलिस गुरदासपुर ने नशा तस्करों पर शिकंजा कसते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए हेरोइन और भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है।

हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार : थाना सिटी गुरदासपुर की पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए बलविंदर सिंह नामक व्यक्ति को काबू किया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 06 ग्राम 270 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

1.14 लाख एम.एल. अवैध शराब जब्त : पुलिस ने कुल 1,14,000 एम.एल. अवैध शराब बरामद की है। थाना दोरांगला की पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार कर उससे 24,000 एम.एल. अवैध शराब बरामद की। वहीं, थाना तिब्बड़ की पुलिस ने एक स्कूटी सहित 60,000 एम.एल. अवैध शराब बरामद की और एक अन्य स्थान से 30,000 एम.एल. शराब सहित आरोपी को गिरफ्तार किया। एस.एस.पी. गुरदासपुर ने आम जनता से अपील की है कि वे नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को नशे की तस्करी या किसी संदिग्ध गतिविधि के बारे में जानकारी मिलती है, तो वह तुरंत पुलिस के हेल्पलाइन नंबरों पर सूचित करे। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

संत कबीर कॉलेज में नर्सिंग छात्रों के लिए जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया

ज़ीरा, 17 मई (अंग्रेज बराड़) - संत कबीर कॉलेज, ज़ीरा में नर्सिंग कक्षा के छात्रों के लिए प्राथमिक चिकित्सा जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। छात्रों की सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस संगोष्ठी में अमनदीप उजाला सिंगस अस्पताल, मोगा रोड, फिरोजपुर के डॉ. मनोज कुमार, श्री मनजीत सिंह, श्री सुशील अरोड़ा और श्री राजवीर सिंह सहित योग्य डॉक्टरों और चिकित्सा विशेषज्ञों की एक विशेष टीम ने भाग लिया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन स्थितियों में तुरंत और सही तरीके से प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने के बारे में जानकारी देना था। सेमिनार के दौरान, डॉक्टरों की टीम ने छात्रों को सड़क दुर्घटना स्थल पर घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के दौरान घबराने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम लेना बहुत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, दिल का दौरा पड़ने की स्थिति में मरीज को सीपीआर देने की विधि को भी व्यावहारिक रूप से समझाया गया।

डॉक्टरों ने छात्रों को सांप के काटने की स्थिति में क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए, इसके बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा कई बार मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर बेहोशी, जलने, खून बहने और टूटी हड्डियों जैसी कई अन्य आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक चिकित्सा देने के बारे में भी जानकारी दी गई। सेमिनार के दौरान छात्रों ने बड़े उत्साह से भाग लिया और डॉक्टरों से विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान किया। इस बीच, कॉलेज के अध्यक्ष श्री गुरचरण सिंह, प्रबंध निदेशक डॉ. सुखदेव सिंह और प्रधानाचार्य डॉ. वीरपाल ने डॉक्टरों की टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के जागरूकता सेमिनार छात्रों के लिए बहुत उपयोगी साबित होते हैं और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

पंजाब ने 'साइलेंट किलर' हाइपरटेंशन के खिलाफ मजबूत की लड़ाई

1 करोड़ से अधिक लोगों की हुई स्क्रीनिंग

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
17 मई (एएम नाथ)

जब दुनिया विश्व हाइपरटेंशन दिवस मना रही है, तब पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना हाइपरटेंशन और इससे जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे मरीज़ों को सस्ती और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाकर बड़ी राहत दे रही है।

हाइपरटेंशन, जिसे आमतौर पर हाई ब्लड प्रेशर कहा जाता है, को डॉक्टर अक्सर 'साइलेंट किलर' कहते हैं। यह बिना किसी स्पष्ट चेतावनी के स्ट्रोक, हार्ट फेल्यार या किडनी रोग जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। यह बीमारी लगभग हर आयु वर्ग में देखी जा रही है।

सभी आयु वर्गों में बढ़ रहे हाइपरटेंशन के मामलों को ध्यान में रखते हुए पंजाब सरकार रोकथाम, शीघ्र

पहचान और उपचार पर विशेष ध्यान दे रही है। जहां 'सीएम दी योगशाला' स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा दे रही है, वहीं आम आदमी क्लीनिक प्रारंभिक स्क्रीनिंग सुनिश्चित कर रहे हैं (1 करोड़ लोगों की जांच, 24 लाख उपचाराधीन) और मुख्यमंत्री सेहत योजना कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाकर स्ट्रोक और हृदय रोग जैसी गंभीर जटिलताओं से बचाव में मदद कर रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार भारत में उच्च रक्तचाप का बोझ तेज़ी से बढ़ रहा है, जिसके प्रमुख कारण गलत खानपान, तनाव, तंबाकू सेवन, शारीरिक गतिविधि की कमी और अनियमित जीवनशैली हैं।

इस विश्व हाइपरटेंशन दिवस पर मुख्यमंत्री सेहत योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल निपटाए गए मामलों की संख्या नहीं, बल्कि उच्च रक्तचाप की रोकथाम और समय पर पहचान पर दिया गया विशेष ज़ोर भी है।

सीएनजी के दाम फिर बढ़े : 2 दिन में दूसरी बार महंगाई का झटका, पेट्रोल-डीजल भी पहले हो चुके महंगे

जालंधर (डोगरा) - पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की बढ़ती कीमतों ने एक बार फिर आम लोगों की जेब पर असर डालना शुरू कर दिया है। शुक्रवार (15 मई) को हुई बढ़ोतरी के बाद अब सीएनजी के दामों में फिर इजाफा कर दिया गया है। तेल विपणन कंपनियों ने आज से सीएनजी की कीमत में 1 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की घोषणा की है। पिछले दो दिनों में यह दूसरी बार है जब सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं।

नई दरों के अनुसार दिल्ली में अब सीएनजी 80.09 रुपये प्रति किलो बिकेगी, जबकि नोएडा और गाजियाबाद में इसकी कीमत 88.70 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। इससे पहले 15 मई को भी सीएनजी के दाम 2 रुपये प्रति किलो बढ़ाए गए थे, जिसके बाद दिल्ली में कीमत 79.09 रुपये प्रति किलो हो गई थी। लगातार बढ़ती कीमतों से सीएनजी वाहन चालकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

लोगों का कहना है कि सीएनजी महंगी होने का सीधा असर ऑटो, टैक्सी और अन्य सार्वजनिक वाहनों के किराए पर पड़ेगा, जिससे आम यात्रियों की परेशानी भी बढ़ेगी।

इससे पहले शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई थी। पेट्रोल 3.14 रुपये प्रति लीटर महंगा होकर दिल्ली में 97.77 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया, जबकि डीजल 3.11 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गया।

एक ही समय में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी तीनों के दाम बढ़ने से महंगाई को लेकर लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

बस्ती बावा खेल नहर के आसपास जाली लगाने का काम शुरू

नहर में कूड़ा फेंकने वालों पर लगेगी रोक, मछली मार्केट और आसपास के लोग बना रहे थे गंदगी का कारण

» प्रथम न्यूज । जालंधर
17 मई (महेश रहेजा)

जालंधर के बस्ती बावा खेल क्षेत्र में स्थित नहर के आसपास प्रशासन द्वारा जाली लगाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य नहर में लगातार बढ़ रही गंदगी और कूड़ा फेंकने की समस्या पर रोक लगाना है। स्थानीय लोगों के अनुसार नहर के पास स्थित मछली मार्केट के कुछ दुकानदारों के साथ-साथ आसपास रहने वाले कई लोग लंबे समय से नहर में कूड़ा-कचरा फेंक रहे थे, जिससे इलाके में गंदगी फैल रही थी और दुर्गंध की समस्या भी बढ़ रही थी। प्रशासन द्वारा अब नहर के किनारों पर जाली लगाकर कूड़ा फेंकने वालों पर सख्ती करने की तैयारी की जा रही है। क्षेत्रवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इससे नहर साफ-सुथरी रहेगी और पर्यावरण को भी फायदा मिलेगा। लोगों ने मांग की है कि जाली लगाने के साथ-साथ कूड़ा फेंकने वालों पर जुर्माना भी लगाया जाए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति नहर को गंदा करने की हिम्मत न करे।

मंत्री मोहिंदर भगत ने वार्ड नंबर 51 के मोहल्ला गीता कॉलोनी में 45 लाख 30 हजार रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य करवाया शुरू

विकास कार्यों से वार्ड की बदल रही तस्वीर : सुभाष गोरिया

» प्रथम न्यूज । जालंधर
17 मई (डोगरा)

पंजाब सरकार में मंत्री मोहिंदर भगत और वरिष्ठ आप नेता सुभाष गोरिया ने वार्ड नंबर 51 के मोहल्ला गीता कॉलोनी में करीब 45 लाख 30 हजार रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्रवासियों ने पंजाब सरकार में मंत्री मोहिंदर भगत का स्वागत करते हुए इलाके में विकास कार्य शुरू होने पर खुशी जाहिर की।

इस अवसर पर मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि पंजाब सरकार शहर के हर वार्ड में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़कों, गलियों और सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुधारा जा रहा है ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना

न करना पड़े। वरिष्ठ आप नेता सुभाष गोरिया ने कहा कि वार्ड नंबर 51 में लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे अब पंजाब सरकार में मंत्री मोहिंदर भगत और जालंधर के मेयर वनीत धीर द्वारा पूरा किया जा रहा है। गोरिया ने कहा कि वार्ड 51 के विकास के लिए अब कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और आने वाले समय में भी वार्ड में लाखों रुपये की लागत से विकास कार्य करवाए जाएंगे। इस मौके पर मंत्री मोहिंदर भगत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय के भीतर और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं ताकि लोगों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए वचनबद्ध है और विकास कार्यों के माध्यम से लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इस दौरान स्थानीय निवासियों ने भी क्षेत्र में विकास कार्य शुरू होने पर खुशी व्यक्त की।

इस अवसर पर काउंसलर राज कुमार राजू, मनजीत काला, काबल सिंह, रिंकू भगत, आहलूवालिया, प्यारा लाल भगत, के.एन. भट्टी, राहुल लोच, भारती भगत, गुरदीप कौर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

ए जी आई क्रिकेट एक्सीलेंस सेंटर; आधुनिक सुविधाओं के साथ खिलाड़ियों के लिए तैयार

» प्रथम न्यूज । जालंधर
17 मई (डोगरा)

ए जी आई क्रिकेट एक्सीलेंस सेंटर अब पूरी तरह तैयार है और 18 मई 2026 से अपनी शुरुआत करने जा रहा है। यह सेंटर ए जी आई ग्लोबल स्कूल, जालंधर हाइट्स-2, अरबाना ,66 फुट रोड, जालंधर के खेल मैदान में शुरू होगा।

इस सेंटर का उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को आधुनिक तरीके से क्रिकेट प्रशिक्षण देना है ताकि वे भविष्य में अच्छे खिलाड़ी बन सकें। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के लाइफ मेंबर और ए जी आई मेजेस्टिक लिविंग प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने बताया कि सेंटर में खिलाड़ियों के लिए आधुनिक क्रिकेट सुविधाएं तैयार की गई हैं। यहां दो मिट्टी की टर्फ पिचें, एक कंक्रीट पिच और एक सिंथेटिक पिच बनाई गई है ताकि खिलाड़ी हर प्रकार की विकेट पर अभ्यास कर सकें। इसके अलावा आधुनिक फ्लडलाइट्स वाला बड़ा बॉक्स क्रिकेट एरीना भी तैयार किया जा रहा है, जिससे खिलाड़ी दिन और रात दोनों समय अभ्यास कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है। लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग आधुनिक वॉशरूम, चेंजिंग रूम और पेंट्री की व्यवस्था की गई है ताकि खिलाड़ियों को आरामदायक माहौल मिल सके। जालंधर हाईट्स क्रिकेट क्लब रजिस्टर्ड, जिसके अधीन इस सेंटर का आयोजन किया जाएगा के सेक्रेटरी अरुण भांबरी ने बताया की खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए अनुभवी और योग्य क्रिकेट कोच नियुक्त किए गए हैं।

यहां खिलाड़ियों को बेसिक से लेकर एडवांस स्तर तक की क्रिकेट ट्रेनिंग दी जाएगी। सेंटर के इंचार्ज और क्रिकेट कोच श्री पराग शर्मा ने बताया कि खिलाड़ियों को आधुनिक मशीनों और तकनीकों के साथ प्रशिक्षण दिया जाएगा। बॉलिंग मशीन के जरिए बल्लेबाजों को बेहतर अभ्यास करवाया जाएगा। खिलाड़ियों की फिटनेस पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा और फिटनेस ट्रेनिंग सेशन नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने आगे बताया कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन का वीडियो रिकॉर्ड करके उसका विश्लेषण किया जाएगा ताकि उनकी कमियों को समझकर उन्हें और बेहतर बनाया जा सके। समय-समय पर वर्कशॉप और चर्चा कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे जिससे खिलाड़ियों को पेशेवर क्रिकेट की जानकारी मिल सके। ए जी आई स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के चेयरमैन और ए जी आई इंफ्रा लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार सुखदेव सिंह तथा संस्थान के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सरदार वरिंदर सिंह ने सेंटर की शुरुआत पर खुशी व्यक्त की और कहा कि यह सेंटर क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगा। उन्होंने जालंधर हाइट्स क्रिकेट क्लब (रजि.) को पूरा सहयोग देने का भरोसा भी दिया।

छोटा घल्लूघारा स्मारक में शहीदी समागम आयोजित, 11 हजार शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

जल्द शुरू होगा 500 की क्षमता वाले अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण : एडवोकेट सेखवां

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
17 मई (संदीप सन्नी)

ज़िला हेरिटेज सोसाइटी गुरदासपुर द्वारा काहनूवान छंब स्थित छोटा घल्लूघारा स्मारक में 17 मई 1746 के ऐतिहासिक युद्ध के दौरान शहीद हुए करीब 11 हजार सिंह-सिंहनियों और महान योद्धाओं की पावन स्मृति को समर्पित वार्षिक शहीदी समागम का आयोजन पूरी श्रद्धा व सत्कार के साथ किया गया। डिप्टी कमिश्नर-कम-ज़िला हेरिटेज सोसाइटी के चेयरमैन आदित्य उप्पल के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस समागम में भारी संख्या में संगत ने शिरकत कर शहीदों को नमन किया।

समागम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हलका इंचार्ज कादियां एडवोकेट जगरूप सिंह सेखवां ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनके स्वर्गीय पिता जत्थदार सेवा सिंह सेखवां ने इस ऐतिहासिक स्मारक के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया था। उन्होंने घोषणा की कि इस शहीदी स्मारक के रखरखाव और नवीनीकरण के कार्य जल्द करवाए जाएंगे और यहाँ जल्द ही 500 की क्षमता वाले एक

अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में सहयोग देना ही शहीदों को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

युवाओं को इतिहास व विरसे से जोड़ना मुख्य लक्ष्य : इस मौके पर एडसी (जनरल) गुरसिमरण सिंह ढिल्लों ने शहीदों की शहादत को नमन करते हुए कहा कि गुरदासपुर की पावन धरती संतों और वीरों की भूमि है। जो कौमें अपने इतिहास को भूल जाती हैं, वे कभी जीवित नहीं रहतीं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपने समृद्ध विरसे और गौरवमयी इतिहास से जोड़ने के लिए ज़िला प्रशासन द्वारा किए जा रहे यह प्रयास सराहनीय और बेहद लाभदायक हैं।

धार्मिक दीवान सजाए गए, बरता अटूट लंगर : इससे पहले, ज़िला हेरिटेज सोसाइटी के जनरल सेक्रेटरी व पूर्व एडीसी तेजिंदरपाल सिंह संधू ने समागम में पहुंची समूह संगत का स्वागत किया और सोसाइटी की गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी।

तय कार्यक्रम के अनुसार, सुबह 10-00 बजे छोटा घल्लूघारा स्मारक परिसर में श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ के भोग डाले गए, जिसके उपरांत रागी जत्थों द्वारा वैराग्यमय गूर्बाणी कीर्तन कर संगत को निहाल किया गया। इस अवसर पर आई हुई प्रमुख हस्तियों को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया और संगत के लिए गुरु का अटूट लंगर निरंतर बरताया गया। इस मौके पर प्रोफेसर राज कुमार शर्मा, सचिव प्रीतम सिंह, संयुक्त सचिव हरमनजीत सिंह, स्मारक प्रभारी दमनजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद द्वारा अमृतवाणी पाठ, परिवार मिलन और स्वर्णिम सदस्य सम्मान समारोह आयोजित

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
17 मई (संदीप सन्नी)

भारत विकास परिषद सिटी शाखा गुरदासपुर द्वारा स्थानीय रघुनाथ मंदिर (कचहरी वाला मंदिर) में अमृतवाणी पाठ, परिवार मिलन तथा स्वर्णिम सदस्य सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह भव्य कार्यक्रम शाखा अध्यक्ष रमेश सल्होत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें परिषद के लगभग 70 सदस्य परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत नरेश वर्मा और उनकी टीम द्वारा सुरीले अमृतवाणी पाठ के साथ की गई। इस दौरान नरेश वर्मा ने मधुर भजन प्रस्तुत कर उपस्थित संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत पंडित विजय शर्मा द्वारा विश्व कल्याण और जन-मानस की भलाई हेतु विशेष प्रार्थना की गई। समारोह के दौरान परिषद के प्रति उत्कृष्ट योगदान देने वाले 18 स्वर्णिम सदस्यों को %शाखा भूषण सम्मान% से अलंकृत कर सम्मानित किया गया।

नए सत्र में समाज सेवा को देंगे बढ़ावा : शाखा अध्यक्ष रमेश सल्होत्रा ने कहा कि यह धार्मिक और पारिवारिक मिलन कार्यक्रम सभी सदस्यों के आपसी सहयोग से ही सफल हो पाया है।

उन्होंने कहा कि नए सत्र 2026-27 में समाज सेवा और राष्ट्र सेवा के कार्यों को अधिक ऊर्जा के साथ करने के लिए परमपिता परमात्मा का आशीर्वाद लिया गया है। उन्होंने पूरे वर्ष सामाजिक गतिविधियों को और बेहतर बनाने के लिए सभी सदस्यों से निरंतर सहयोग की अपील की।

अध्यक्ष सल्होत्रा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सचिव विकास शिंगारी, कोषाध्यक्ष विजय शर्मा, प्रकल्प प्रमुख नरेश वर्मा, पंडित विजय शर्मा सहित सहयोगी पवन राय, बलविंदर डोगरा, मनोहर लाल, पुनीत मल्होत्रा, मुख्य सलाहकार रमेश शर्मा और क्षेत्र अधिकारी शिव गौतम का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर परिषद के सीनियर सदस्य बी.बी. गुप्ता, राजेंद्र अग्रवाल, नीरज महाजन (ई.टी.ओ), प्रोफेसर टी.आर. मल्होत्रा, प्रोफेसर महेंद्र कुमार, सुनील महाजन, सुरजीत सिंह, अमरनाथ महाजन, विपन महाजन, जगदीश मित्र, रमेश शर्मा, रूपलाल जोशी, रमेश कुमार, श्यामलाल, ललित मल्होत्रा, और विजेंद्र कोहली सहित भारी संख्या में सदस्य एवं उनके परिवार उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

अर्जुन सिंह को अध्यक्ष तथा वजीरु राम को संघ के उपाध्यक्ष की मिली जिम्मेदारी

दि चंबा जिला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ के निदेशक मंडल की बैठक आयोजित

चंबा (एएम नाथ)- दि चंबा जिला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ लिमिटेड के नव निर्वाचित निदेशक मंडल की बैठक का आयोजन आज संघ के कार्यालय (माई बाग) में किया गया। बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों ने भाग लिया तथा विभिन्न संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की।

बैठक के दौरान अर्जुन सिंह को सर्वसम्मति से दि चंबा जिला सहकारी विपणन एवं उपभोक्ता संघ लिमिटेड का अध्यक्ष चुना गया। वहीं वजीरु राम को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अंकेक्षण अधिकारी सहकारी सभाएं राजेश कुमार ने की। इस दौरान सदस्य निदेशक मंडल के रूप में भरमौर-होली जोन से मुंशी राम, सलुणी जोन से प्यार चंद ,भटियात जोन से रवि सिंह, तीसा जोन से अशोक कुमार तथा पुखरी जोन से सुरेंद्र कुमार उपस्थित रहे ।

नव निर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संघ के हित में पारदर्शिता एवं समर्पण के साथ कार्य करने का विश्वास दिलाया। बैठक का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

उपायुक्त चम्बा मुकेश रेपसवाल ने धर्मपत्नी संग किया मतदान

चंबा (एएम नाथ)- नगर निकाय चुनाव के तहत चंबा शहर में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से जारी रही। इसी क्रम में उपायुक्त चंबा मुकेश रेपसवाल ने वार्ड नंबर 3 चौगान वार्ड स्थित मतदान केंद्र भूरी सिंह म्यूजियम में अपनी धर्मपत्नी के साथ मतदान किया।

मतदान करने के बाद उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने लोगों से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है तथा सभी मतदाताओं को अपने मत का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।

उन्होंने मतदान केंद्र पर व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और वहां तैनात कर्मचारियों से मतदान प्रक्रिया संबंधी जानकारी प्राप्त की। मतदान केंद्र पर सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला। युवा, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंच रहे हैं। प्रशासन की ओर से सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

शाहतलाई नगर पंचायत के चुनाव परिणाम घोषित

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- नगर पंचायत शाहतलाई के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम झंडूता अर्शिया शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शाहतलाई नगर पंचायत के सभी 07 वार्ड के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए है। जिनमें वार्ड नंबर 01 से सरोज कुमारी को 83 मत, प्रोमिला देवी को 69 तथा अंजू बाला उर्फ अजू शर्मा को 69 मत प्राप्त हुए। इस तरह सरोज कुमारी विजेता रही। इस वार्ड में कुल 221 मत डाले गए थे।

इसी तरह जहां वार्ड नंबर 02 से सुनीता रानी को 88 मत जबकि पुष्प लता को 76 मत मिले। इस तरह सुनीता रानी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 164 मत डाले गए थे, तो वहीं वार्ड नंबर 03 में नंद लाल शर्मा को 110 मत, अनीष को 54 मत, अमित कुमार को 42 मत तथा शशि कांत को 28 मत प्राप्त हुए। इस तरह नंदलाल शर्मा को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 234 मत डाले गए थे।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 04 से बलबीर को 143 मत, मनोज कुमार को 85 मत तथा 02 मत नोटा को मिले। इस तरह बलबीर को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 230 मत डाले गए थे। यही नहीं वार्ड नंबर 05 से चमन लाल सोनी को 111 मत, पृथ्थी चंद को 98 मत, अमन कुमार को 27 मत, रिंकू धीमान को 16 मत तथा नोटा को 01 मत प्राप्त हुए। इस तरह चमन लाल सोनी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 253 मत डाले गए थे।

अर्शिया शर्मा ने बताया कि वार्ड नंबर 06 से पूजा कुमारी को 98 मत, राधा देवी को 71 तथा नोटा को 01 मत प्राप्त हुआ। इस तरह पूजा कुमारी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 170 मत डाले गए थे, जिनमें से एक मत को अस्वीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 07 से बिमला देवी को 94 तथा सलोचना देवी को 107 मत प्राप्त हुए। इस तरह वार्ड नंबर 07 से सलोचना देवी का निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 201 मत डाले गए थे।

शिमला के ननखड़ी क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा

खाई में गिरी कार, पिता और बेटी की मौत

» प्रथम न्यूज । शिमला

17 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के शिमला के ननखड़ी क्षेत्र में शनिवार रात एक सड़क हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई। मृतक का बेटा और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ननखड़ी-पुनन सड़क पर ननखड़ी चौक से आगे जंगल क्षेत्र में हुआ, जहां एक कार करीब 200 फीट गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार दुर्घटना का पता शनिवार आधी रात के बाद चला। कार में कुल चार लोग सवार थे, जो रात के समय अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुनन के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार सड़क से नीचे गहरी खाई में लुढ़क गई।

हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर थाना ननखड़ी की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

हादसा बेहद खतरनाक था व कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस को घटनास्थल पर सफेद रंग की कार नंबर एचपी-92-1701 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में मिली।

हादसे में 49 वर्षीय कुंदन लाल और उनकी 16 वर्षीय बेटी आकृति की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों ननखड़ी तहसील के शौली क्षेत्र के लौहटी गांव के रहने वाले थे। हादसे में कुंदन लाल का 12 वर्षीय बेटा आरव गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक 55 वर्षीय सतपाल भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। दोनों घायलों को आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कार चालक सतपाल निवासी लौहटी, ननखड़ी वाहन चला रहा था। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। थाना ननखड़ी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत केस दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया जाएगा। इस हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

एनपी चिड़गांव चुनाव का सफल समापन - धर्मेश रामौत्रा

» प्रथम न्यूज । रोहडू

17 मई (बी.शर्मा)

रिटर्निंग अधिकारी (एमसी) एवं उपमंडलाधिकारी (नागरिक) रोहडू धर्मेश रामौत्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पंचायत चिड़गांव चुनाव का सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना अथवा व्यवधान सामने नहीं आया तथा संपूर्ण मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई।

उन्होंने बताया कि नगर पंचायत चिड़गांव के वार्ड नंबर-1 (चिड़गांव-ढ़ू) से शमशेर सिंह 19 मतों से विजयी रहे। वार्ड नंबर-03 (भौंडा बाजार) से पूनम कुमारी 24 मतों से, वार्ड नंबर-04 (भौंडा कॉलोनी) से ललित सिंह 9 मतों से, वार्ड नंबर-05 (अप्पर एवं लोअर भौंडा) से सरला देवी 42 मतों से, वार्ड नंबर-06 (सुंधा) से अनुराधा 28 मतों से तथा वार्ड नंबर-07 (मांदली) से कांता देवी 10 मतों से विजेता घोषित किए गए।

धर्मेश रामौत्रा ने कहा कि चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। सुरक्षा व्यवस्था, मतदान एवं मतगणना से संबंधित सभी कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में सहयोग देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, पुलिस प्रशासन एवं मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

156 सीबीएसई विद्यालयों में उपलब्ध होंगे तीनों संकाय

18 विद्यालयों में तीनों संकाय शुरू करने की अधिसूचना जल्द जारी होगी

» प्रथम न्यूज । शिमला

17 मई (बी.शर्मा)

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के निर्देशों पर शिक्षा विभाग राज्य के सीबीएसई से संबद्ध 156 नए विद्यालयों में कला, विज्ञान और वाणिज्य तीनों संकाय शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण पर है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में शिक्षा विभाग से विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें सामने आया कि 156 विद्यालयों में से 18 विद्यालयों में वर्तमान में तीनों संकाय उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने विभाग को निर्देश दिए कि सभी सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों में विद्यार्थियों को सभी विषय विकल्प उपलब्ध करवाए जाएं।

चिन्हित विद्यालयों में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किहाड़, बाड़ा, बड़सर, बतरान, सोहारी, चढ़ियार, कुंसल, लोहारली, सलेटी, कोलनी ढलवान, अपर लंबागांव, निचार, सराहन (कुल्हू), बलदेयां, सैंज, ननखड़ी, कफोटा और बधेड़ा शामिल हैं। इन विद्यालयों में वाणिज्य अथवा विज्ञान संकाय उपलब्ध नहीं था। शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने और विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से अब इन सभी विद्यालयों में इसी शैक्षणिक सत्र से विज्ञान और वाणिज्य संकाय शुरू किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए शिक्षा विभाग ने इन संकायों को सुचारू और प्रभावी ढंग से शुरू करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं और औपचारिकताएं शुरू कर दी हैं। इस संबंध में विस्तृत अधिसूचना शीघ्र जारी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण व्यापक शिक्षा के अवसर प्रदान करना है। राज्य सरकार पहले ही 156 विद्यालयों को सीबीएसई पैटर्न के तहत संचालित करने को मंजूरी दे चुकी है। यह हिमाचल प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिक्षा विभाग को यह भी निर्देश दिए हैं कि इन संस्थानों में आवश्यक शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतरीन शैक्षणिक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

राज्य सरकार के सीबीएसई से संबद्ध 156 स्कूलों को संचालित करने के फैसले को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है और छात्र नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह सीबीएसई स्कूल विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करेंगे, जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ खेल, संगीत और कला जैसी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी समान बल दिया जाएगा।

बिलासपुर जिला के चार शहरी निकाय चुनाव में हुआ 72.91 प्रतिशत मतदान

श्री नैना देवी जी नगर परिषद में हुआ सबसे अधिक 86.50 प्रतिशत जबकि सबसे कम बिलासपुर नगर परिषद में दर्ज हुआ 67.46 प्रतिशत मतदान

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

17 मई (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर के चार शहरी निकाय के चुनाव में कुल 72.91 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है। जिनमें सबसे अधिक मतदान श्री नैना देवी जी में 86.50 प्रतिशत जबकि सबसे कम मतदान नगर परिषद बिलासपुर में 67.46 प्रतिशत दर्ज हुआ है। जिला में महिला मतदाताओं की भागीदारी 72.71 प्रतिशत दर्ज हुई है। जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर निकाय) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्धारित कार्यक्रमानुसार जिला के चार शहरी नगर निकायों जिनमें नगर परिषद बिलासपुर, घुमारवीं एवं श्री नैना देवी जी तथा नगर पंचायत शाहतलाई शामिल है में आज प्रात: 7 बजे से सांय 3 बजे तक मतदान करवाया गया। जिसमें कुल 72.91 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद बिलासपुर के कुल 11 वार्ड में 67.46 प्रतिशत मतदान हुआ। इसी तरह जहां नगर परिषद घुमारवीं के कुल 09 वार्ड में 77.72 प्रतिशत मतदान हुआ तो वहीं नगर परिषद श्री नैना देवी जी के कुल 07 वार्ड में 86.50 प्रतिशत मतदान हुआ। जबकि नगर पंचायत शाहतलाई के कुल 07 वार्ड में 84.08 प्रतिशत मतदान हुआ।

जिला के चार शहरी नगर निकायों में है कुल 16,782 मतदाता

जिला के चार शहरी नगर निकायों में कुल 16,782 मतदाता पंजीकृत हैं जिसमें 8,399 पुरुष तथा 8,383 महिलाएं शामिल हैं।

मतदान के दौरान आज कुल 16,782 पंजीकृत मतदाताओं में से 12,235 ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, जिसमें 6,095 महिला तथा 6,140 पुरुष मतदाता शामिल हैं।

नगर परिषद बिलासपुर में कुल 9,548 पंजीकृत मतदाताओं में से 6,441, नगर परिषद घुमारवीं में कुल 4,793 मतदाताओं में से 3,725 ने तथा नगर परिषद श्री नैना देवी जी में कुल 689 पंजीकृत मतदाताओं में से 596 ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसी तरह नगर पंचायत शाहतलाई में कुल 1,752 पंजीकृत मतदाताओं में से 1,473 ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

मां नयनादेवी के दरबार पहुंचे जेपी नड्डा, बोले- हिमाचल में आने वाला समय भाजपा का

जेपी नड्डा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश, निकाय और पंचायत चुनाव में जुटने का आह्वान

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

17 मई (जितेंद्र गौतम)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके जेपी नड्डा शनिवार को विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री नयनादेवी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने मां भगवती के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने विधिवत हवन में आहुतियां डालकर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में उनके आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

श्रीनयनादेवी पहुंचने पर स्थानीय पुजारी वर्ग और भाजपा नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। मंदिर के गर्भगृह में पुजारी नीलम शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विशेष पूजा-अर्चना संपन्न करवाई। मंदिर न्यास की ओर से जेपी नड्डा को माता की चुनरी और प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल और असम में पार्टी की हालिया चुनावी सफलताओं पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार देशभर में मजबूत हो रही है और कार्यकर्ताओं की मेहनत ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगामी नगर निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरें और अधिक से अधिक सीटें जीतकर भाजपा को और मजबूत करें।

जेपी नड्डा ने कहा कि स्थानीय निकायों के चुनाव केवल संगठनात्मक मजबूती का माध्यम नहीं होते, बल्कि यही चुनाव भविष्य की राजनीतिक दिशा भी तय करते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हिमाचल प्रदेश में आने वाला समय भाजपा का है और पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरे समर्पण और ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाकर काम करना चाहिए।

इस मौके पर विधायक रणधीर शर्मा ने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से सिविल अस्पताल घवांडल को क्रिटिकल केयर यूनिट की बड़ी सौगात मिली है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और गंभीर मरीजों को इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आशुतोष शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण लाल चंदेल सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नड्डा के दौरे को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक हलचल भी तेज रही और भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

मां नयनादेवी के दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा वापस रवाना हो गए। उनके दौरे को भाजपा संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब प्रदेश में निकाय और पंचायत चुनावों की तैयारियां तेज हो रही हैं।

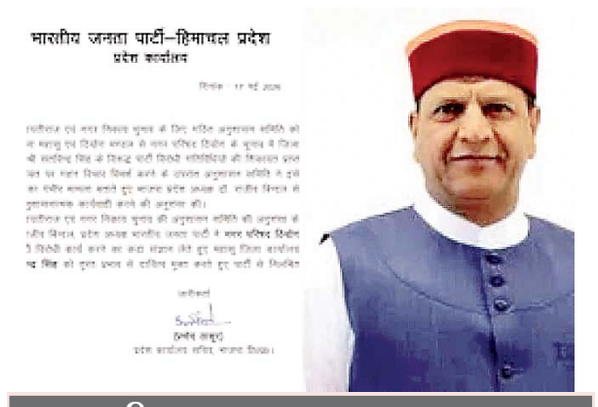
भारतीय जनता पार्टी-हिमाचल प्रदेश
प्रदेश कार्यालय

हिमाचल भाजपा का कड़ा एक्शन

अनुशासनहीनता पर महासू जिला कार्यालय सचिव सतविन्द्र सिंह निलंबित, राजीव बिंदल ने पद से हटाया

शिमला (बी. शर्मा) : भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश ने पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव में पार्टी विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए संगठनात्मक जिला महासू के कार्यालय सचिव सतविन्द्र सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। प्रदेश कार्यालय की ओर से इस संबंध में कार्रवाई की गई है।

ठियोग नगर परिषद चुनाव के दौरान सतविन्द्र सिंह के विरुद्ध पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों पर गठित अनुशासन समिति ने गहन विचार-विमर्श किया और मामले को अनुशासनहीनता का गंभीर विषय माना।

अनुशासन समिति ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल को उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की अनुशंसा की। अनुशासन समिति की अनुशंसा के आधार पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए सतविन्द्र सिंह को महासू जिला कार्यालय सचिव के दायित्व से मुक्त कर दिया है और उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया है।

भाजपा ने स्पष्ट किया है कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और पार्टी विरोधी गतिविधियों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से संगठन की मर्यादा और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया है।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज़
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

एलएनजेपी अस्पताल और मिनी सचिवालय में विधिक सहायता प्रदान करने के लिए डीएलएसए ने स्थापित किए हेल्प डेस्क

कुरुक्षेत्र 17 मई (बृज मोहन) जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुरुक्षेत्र दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुरुक्षेत्र की सीजेएम एवं सचिव नीतिका भारद्वाज के निर्देशानुसार एलएनजेपी अस्पताल और मिनी सचिवालय कुरुक्षेत्र में आयोजित समाधान शिविर में आम जनता को विधिक सहायता प्रदान करने हेतु डीएलएसए द्वारा एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है।

सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने अवगत कराया कि यदि किसी भी व्यक्ति को समाधान शिविर के दौरान विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो वे वहां उपस्थित डीएलएसए के पैनल अधिवक्ता से संपर्क कर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। डीएलएसए की ओर से पैनल अधिवक्ता सुप्रीत सिंह समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों को विधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। इस हेल्प डेस्क के माध्यम से डीएलएसए के पीएलवी द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वृद्धावस्था पेंशन प्रमाण पत्र से संबंधित विधिक सहायता प्रदान की जा रही है।

इस्माईलाबाद में संत रामानंद जी महाराज के शहीदी दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) – रविदासिया कौम के अमर शहीद संत रामानंद जी महाराज के 17वें शहीदी दिवस के अवसर पर श्री गुरु रविदास दरबार साहिब, इस्माईलाबाद में अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रद्धालुओं एवं युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा लगभग 60 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में समाजसेवी चिरंजीवी गर्ग, जगमाल गोल पुरिया, जसवीर माजरी, वाइस चेयरमैन रेशम सिंह, चौधरी मनजीत सिंह तथा डॉ. राजेंद्र कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान से अनेक जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिलता है और समाज में सेवा भावना मजबूत होती है। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के सदस्य प्रदीप चोपड़ा ने रक्तदान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान अवश्य करना चाहिए, ताकि समाज में मानवता और सेवा की भावना बनी रहे। अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन के सदस्यों ने सभी रक्तदाताओं का सम्मान करते हुए उनका धन्यवाद किया। इस अवसर पर धर्मपाल भोला, कृष्ण माजरी, अंग्रेज गोरखा, बलकार सिंह, संत राम जी, विनोद मुंडे, सतीश मुंडे, प्रिंस, लाभ मुंडे सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हरियाणा निकाय चुनाव में हुई भाजपा की प्रचंड जीत

हम वोट नहीं, जनता का दिल चुराते हैं : शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
17 मई (एएम नाथ)

हरियाणा के शहरी निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत से जहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का राजनीतिक प्रभाव बढ़ा है, वहीं उनकी सरकार के कामकाज पर जनता की सहमति की मुहर लगी है। मुख्यमंत्री ने सभी शहरी निकायों में जीत की किलेबंदी करने के लिए अपनी सरकार के मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी लगाई हुई थी।

शहरी निकाय मंत्री के नाते विपुल गोयल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तरह हर निकाय में उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करने गए। भाजपा इस जीत से बेहद उत्साहित है, जबकि विपक्ष उसकी जीत पर सवाल खड़े कर रहा है। हरियाणा के शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल से भाजपा की जीत और विपक्ष के आरोपों पर बातचीत की गई। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश।

सवाल – भाजपा ने हर निकाय के लिए अलग-अलग चुनाव संकल्प पत्र बनाया, लेकिन विपक्ष की नजर में यह छोटा चुनाव था?

जवाब – कोई चुनाव छोटा नहीं होता। जो समस्या पार्षद रख सकता है, उसे विधायक नहीं रख सकता। संकल्प पत्र शहर की छोटी-छोटी जरूरतों को देखकर बनाया गया था। लोगों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार पर अपना भरोसा जताया है। अब संकल्प पत्र और जनता की उम्मीदों को पूरा करने की बारी है। निकाय चुनाव को छोटा चुनाव कहने वालों को तो इस चुनाव से सीख लेनी चाहिए।

सवाल – चुनाव से पहले और चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगाए?

जवाब – विपक्ष जीत गया तो ईवीएम सही, हार गया तो वोट चोरी का आरोप लगाता है। हम वोट चोरी नहीं करते, दिल चोरी करते हैं। लोग कहते थे कि भाजपा बंगाल में सरकार नहीं बना सकेगी, लेकिन प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के सतत प्रयास तथा भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत से सरकार बन गई।

10 साल पहले तीन विधायक थे, अब 200 से अधिक हैं। राहुल गांधी ईवीएम से वोट चोरी करने का आरोप तो लगाते हैं लेकिन सबूत नहीं दे पाते। कांग्रेसियों को तो अपने नेता राहुल गांधी से विदेशी यात्राओं का सबूत मांगना चाहिए। हमारे पास मोदी जैसा चेहरा है। अमित शाह जैसा रणनीतिकार है। कार्यकर्ताओं का जोश है।

सवाल – आम जनता में यह धारणा बन रही है कि अधिकारी काम नहीं करतेउन्हें कार्यालयों में टरकाते हैं?

जवाब – मुख्यमंत्री जी की नीति स्पष्ट है। ऐसी नीतियां बनाओ, जो ज्यादा से ज्यादा राहत दे। लोगों को मुश्किल में न डाले। उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। भ्रष्ट, लापरवाह और काम नहीं करने वाले अधिकारी सरकार के निशाने पर हैं।

उन्हें किसी सूरत में न तो पहले बख्शा गया और न ही आगे बख्शा जाएगा।

सवाल – सांपला तथा सोनीपत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का गढ़ माना जाता था, वहां भी कमल खिल गया?

जवाब – आज पूरा हरियाणा भाजपा का गढ़ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का गढ़ है। क्षेत्रवाद अपनाकर कुछ दिन के लिए कुछ लोगों ने भले ही एक इलाके को गढ़ बना लिया हो, लेकिन जनता ने उन्हें समय-समय पर आइना दिखा दिया।

भाजपा सबका साथ, सबका विकास पर विश्वास करती है। जनता ने रेवाड़ी से लेकर सोनीपत से अंबाला तक हर जगह भाजपा को विजय दिलाई है।

हमारी सरकार की पूरे हरियाणा के विकास की नीति है। जब रोड बनेगी तो वोट देने वाले भी चलेंगे, नहीं देने वाले भी चलेंगे।

सवाल – शहरी निकाय चुनाव के बीच सफाई कर्मियों की हड़ताल एक बड़ा मुद्दा बनी रही?

जवाब– निकाय चुनाव होने की वजह से थोड़ा विलंब जरूर हुआ, लेकिन जिस दिन मतगणना हुई, उसी दिन बैठककर मामला सुलझा लिया गया। सफाई कर्मियों की सभी जरूरी मांगें मान ली गई हैं। सफाईकर्मी समाज की अहम कड़ी हैं।

सवाल – विपक्ष का आरोप है कि हरियाणा सरकार और उसके मंत्री निकाय चुनाव के बाद अब पंजाब में चले जाएंगे?

जवाब– पंजाब में अगले साल चुनाव होने वाले हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री पंजाब जाएंगे और बंगाल की तरह संगठन मजबूत कर चुनाव मैदान में उतरेंगे। मुख्यमंत्री ने पंजाब के लोगों को अपना बना लिया है।

उन्होंने हरियाणा के लोगों का तो दिल जीत ही लिया पंजाब में भी लोकप्रिय हो चुके हैं। विपक्ष का जुमला तैयार है। वह जब पंजाब में हारेगा तो कहेगा कि ईवीएम से वोट चोरी हो गए।

संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 से अधिक सशक्त होंगे ग्राम पंचायतें : राजीव बातिश

-जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की नई नीति को लेकर कुरुक्षेत्र में कार्यशाला आयोजित

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
17 मई (बृज मोहन)

मुख्य अभियंता राजीव बातिश ने कहा कि संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 की नई नीति का मुख्य उद्देश्य पंचायत को अधिक सशक्त बनाना है। इसके साथ ही जलापूर्ति योजनाओं में उनकी बेहतर भागीदारी सुनिश्चित करना है।

इससे बेहतर क्रियावन से भविष्य में बहुत ही सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेंगे। नई नीति के तहत सभी ग्राम पंचायत के डिजिटल बैंक अकाउंट खाता खोले जाएंगे, जिससे ग्राम पंचायत आय और व्यय जल्दी और प्रभावी तरीके से कर पाएगी। इसके संचालन एवं रखरखाव के क्रियान्वयन से सामुदायिक भागीदारी में वृद्धि होगी।

मुख्य अभियंता राजीव बातिश जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कुरुक्षेत्र के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। इस दौरान अंबाला सर्कल से अधीक्षक अभियंता अरविंद रोहिला, करनाल सर्किल से विकास सिंगरोहा, कैथल सर्कल से केके गिल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यशाला में संचालन एवं रखरखाव नीति के मुख्य उद्देश्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि इस नीति से महिलाओं का सशक्तिकरण होगा। स्थानीय स्तर पर त्वरित मरम्मत व्यवस्था समय से होगी। पारदर्शी शिकायत निवारण तंत्र से मजबूती के साथ-साथ जल जनित रोगों की रोकथाम और जन स्वास्थ्य में सुधार होगा।

इस मौके पर पानीपत से नोडल कार्यकारी अभियंता करण बहल, डीपीएम मुन्तजिर आलम, जिला सलाहकार सतविंदर टाया, कुरुक्षेत्र से नोडल कार्यकारी अभियंता सुमित गर्ग, डीपीएम रजत भास्कर, जिला सलाहकार डेलिया बातिश, यमुनानगर से नोडल कार्यकारी अभियंता दिनेश गाबा, डीपीएम देविंदर शर्मा, अंबाला से नोडल कार्यकारी अभियंता हरभजन सिंह, डीपीएम ममता शर्मा, जिला सलाहकार अमित, करनाल व कैथल से नोडल कार्यकारी अभियंता अभिषेक शेर, डीपीएम गुरमीत सिंह, जिला सलाहकार नेहा, कैथल से डीपीएम मनोज कुमार, जिला सलाहकार दीपक कुमार, पंचकुला से कार्यकारी अभियंता समीर शर्मा, सलाहकार कामेश शर्मा, डीपीएम राहुल, जिला सलाहकार आरजू के साथ-साथ पंचकूला से इंडियन बैंक के अधिकारी मौजूद रहे।

एचसीएस परीक्षा को शांतिपूर्वक करवाने के लिए नोडल अधिकारी, डयूटी मजिस्ट्रेट व फ्लाइंग स्क्वायर्ड टीम का किया गठन : विश्राम कुमार मीणा

-26 अप्रैल को कुरुक्षेत्र जिला में आयोजित होगी एचसीएस की परीक्षा

कुरुक्षेत्र 17 मई (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा जिला में आयोजित 26 अप्रैल को आयोजित की जाने वाली एचसीएस की परीक्षा के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्रों में विभिन्न 6 सेक्टरों में बांटकर डयूटी मजिस्ट्रेट, डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किए गए हैं। इस परीक्षा के लिए अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य को नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक को जिला कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है, जो परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए डयूटी मजिस्ट्रेट, डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वायड के साथ तालमेल बनाना सुनिश्चित करेंगे।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सेक्टर-1 में एसडीएम थानेसर अमन कुमार को डयूटी मजिस्ट्रेट और एक्सईएन मुनीष बब्बर, वेलफेयर अधिकारी एके श्योराण, जिला माइनिंग अधिकारी रोहित, एक्सईएन संदीप कुमार को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किया है। सेक्टर-2 में एसडीएम पिहोवा अनिल दून को डयूटी मजिस्ट्रेट और एईई अंजू कौशिक, डीटीपी नवीन कुमार, एसडीओ धर्मवीर, एसडीओ करनैल सिंह, एसडीएम साहिल कल्याण को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किया है। इसी तरह सेक्टर-3 में केडीबी के सीईओ पंकज सेतिया को डयूटी मजिस्ट्रेट और कृषि उप निदेशक डा. कर्मचंद, एसडीओ जितेंद्र मेहता, एसडीओ रविंद्र कुमार, एसडीओ सोमनाथ को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किया गया है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सेक्टर-4 में एसडीएम लाडवा अनुभव मेहता को नोडल अधिकारी और एएई राजेश वर्मा, एसडीओ नवीन कुमार, एई राजपाल, डीएसओ मनोज कुमार को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किया गया है। सेक्टर-5 में जिला परिषद के सीईओ विरेंद्र चौधरी को डयूटी मजिस्ट्रेट और एमई नवीन कुमार, एक्साइज एवं टेक्सेंन अधिकारी राजेश कुमार, सतीश कुमार, एएसईओ बलवान सिंह को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किया है।

इसी तरह सेक्टर-6 में शुगर मिल एमडी धीरज चहल को डयूटी मजिस्ट्रेट और एक्सईएन अरमान कुमार, एक्सईएन सुमित गर्ग, एक्सईएन सुरज सैनी, एसडीओ कमल कुमार, एक्सईएन रवि को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सहायक रजिस्ट्रार प्रदीप चौहान, एसडीओ रमेश कुमार सैनी, एसडीओ सुरेश कुमार, एसडीओ गौरव नागल को डिस्ट्रीब्यूटर कम फ्लाइंग स्क्वाड के लिए रिजर्व टीम के तौर पर नियुक्त किया है।

महापौर सौरभ जोशी ने महिला लाभार्थियों को सिलाई मशीनें वितरित कर किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
17 मई (पुनीत महाजन)

महिला एवं बाल कल्याण सोसायटी, सेक्टर-45डी, चंडीगढ़ द्वारा रविवार शाम टैगोर थिएटर में संस्था का 8वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह एवं सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी ने महिला लाभार्थियों को सम्मानित किया तथा उन्हें स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिलाई मशीनें वितरित कीं। भारत सरकार के नीति आयोग में पंजीकृत इस संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवियों, गणमान्य व्यक्तियों, कलाकारों एवं सिविल सोसायटी के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एनवाईसीएस के निदेशक विकास राणा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

महापौर सौरभ जोशी ने अपने संबोधन में संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता कार्यक्रमों से जोड़ना एक समावेशी एवं प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सामाजिक कल्याण गतिविधियों में लोगों की अधिक भागीदारी का भी आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्था की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ भी किया गया। साथ ही, समाज कल्याण गतिविधियों में विशेष योगदान देने वाले प्रतिभागियों एवं सहयोगकर्ताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगीत, नृत्य एवं काव्य प्रस्तुतियों से सुसज्जित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

चंडीगढ़ पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
17 मई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सेक्टर-49 पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 06.62 ग्राम मिक्स हेरोइन एवं मेथाक्वालोन बरामद किया है।

यह कार्रवाई एसएसपी/यूटी चंडीगढ़ कंवरदीप कौर, आईपीएस के निर्देशों तथा एसपी/सिटी के.एम. प्रियंका एवं डीएसपी/एसडीपीओ साउथ गुरजीत कौर की निगरानी में की गई।

थाना सेक्टर-49 की पुलिस टीम, जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर शेर सिंह, एसएचओ थाना सेक्टर-49 कर रहे थे, ने आरोपी दीपक कुमार पुत्र गया प्रसाद निवासी गांव जगतपुरा, जिला मोहाली, पंजाब उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दिनांक 16.05.2026 को एसआई किरण पाल थाना सेक्टर-49 अपनी टीम के साथ अपराध रोकथाम ड्यूटी पर क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। रात करीब 10:05 बजे जब पुलिस टीम स्मॉल चौक, मोटर मार्केट सेक्टर-48 के पास पहुंची तो एक युवक पुलिस को देखकर घबराकर वापस मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा। शक के आधार पर पुलिस टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 06.62 ग्राम मिक्स हेरोइन एवं मेथाक्वालोन बरामद हुई। आरोपी उक्त नशीले पदार्थ को रखने संबंधी कोई वैध लाइसेंस या परमिट प्रस्तुत नहीं कर सका।

इस संबंध में थाना सेक्टर-49, चंडीगढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 एवं 22 के तहत एफआईआर नंबर 38 दिनांक 16.05.2026 दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के बाद खरड़ नगर परिषद चुनाव स्थगित

चंडीगढ़/मोहाली, 17 मई (पुनीत महाजन) – पंजाब राज्य चुनाव आयोग ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन में नगर परिषद खरड़ के आम चुनावों को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। इस संबंध में राज्य चुनाव आयोग, पंजाब द्वारा जिला चुनाव अधिकारी-कम-डिप्टी कमिश्नर, एसएएस नगर को आदेश जारी किए गए हैं।

जारी आदेशों के अनुसार, कुलवंत सिंह बनाम पंजाब सरकार मामले (CWP नंबर 14752/2026) में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा 15 मई 2026 को दिए गए निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया। अदालत ने नगर परिषद खरड़ चुनाव प्रक्रिया को स्थगित करने के आदेश दिए हैं। राज्य चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में जारी नामांकन प्रक्रिया को भी तुरंत प्रभाव से समाप्त माना जाएगा। साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर, खरड़ को इस संबंध में सार्वजनिक सूचना जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

आदेश में कहा गया है कि चुनाव तब तक स्थगित रहेंगे, जब तक याचिका से जुड़े क्षेत्रों के मतदाताओं को शामिल करने संबंधी आवश्यक कार्रवाई पूरी नहीं हो जाती। जिन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं, उन्हें नामांकन शुल्क वापस किया जाएगा।

इसके अलावा जिला प्रशासन को स्थानीय निकाय विभाग के साथ समन्वय कर हाईकोर्ट के आदेशों के अनुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव की नई तारीख स्थानीय निकाय विभाग से नई अधिसूचना मिलने के बाद घोषित की जाएगी।

सीमावर्ती क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा सीमा प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के पालन का लिया संकल्प

» प्रथम न्यूज । जम्मू, परगवाल
17 मई (पुनीत महाजन)

जम्मू के परगवाल स्थित मुलखा चौक के पास भाजपा सीमा प्रकोष्ठ के सह-संयोजक चौधरी सुषपाल सिंह की अध्यक्षता में भाजपा सीमा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता और अखंडता को मजबूत बनाने के लिए मिल-जुलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने देशहित को सर्वोपरि रखते हुए हर परिस्थिति में एकजुट रहने का संकल्प लिया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि तेल एवं गैस संकट जैसी किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति के दौरान सभी कार्यकर्ता और आमजन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों का पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ पालन करेंगे।

चौधरी सुषपाल सिंह ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना और उनका समाधान करवाना भाजपा सीमा प्रकोष्ठ की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनने और हर संभव सहायता प्रदान करने का आह्वान किया।

बैठक में सिपाही कुलवंत सिंह, कुलदीप शर्मा, रामसरूप, शाम सिंह, हरनाम सिंह, गोशा कुमार, जसपाल सिंह, अजय शर्मा, पोला सिंह, विक्की कुमार, हरदीप सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज़
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

मानव को अमर कर देती है अच्छाई व सच्चाई

कर्म अपने अपने होते हैं कर्मो का फल निश्चित है इसलिए अच्छे कर्म कीजियें . दुआ दीजिये बद्दुआ मत लीजिये` मानव जीवन दुर्लभ है इसे व्यर्थ न गवांएं।

अच्छाई युगो-युगों तक मानव को अमर कर देती है ।मानव को हमेशा अच्छाई व सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए ।मानव जीवन अनमोल है ।कहते है कि एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं ।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

चाहिए ।आधुनिक इंसान पत्थर दिल व आत्मकेन्द्रित होता जा रहा है ।मानव सवेंदनहीनता की हदें लाघ रहा है ।यह समाज के लिए अशुभ संकेत है ।मानव आज मानवता के खिलाफ होता जा रहा है ।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए ।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है ।जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला।

आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी। जष्ठ रतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है ।मगर आधुनिक इंसान फितरती होता जा रहा है। मानव विलासिता पर धन खर्च कर रहा है। सुख में तो सभी साथ होते है मगर दुख में साथ छोड देते है ,कहते अपने ही काम आते है मगर आज आदमी ही आदमी से नफरत कर रहा है कुते बिस्किट खा रहे है मगर मानव भूख से त्रस्त है क्या मजाल की कोई भूखे को रोटी का निवाला दे। आदमी नरभक्षी बनता जा रहा है प्रतिदिन शराब,मांस ,मदिरा का प्रयोग कर रहा है। आदमी आज गिरगिटों की तरह रंग बदलता है। आज मानव मतलब निकल जाने पर पहचानने से इन्कार कर देता है। आज मानव ने भले ही कितनी प्रगति कर ली है मगर सोच वही सामंतवादी है। आदमी को सादगी व उच्च विचारों मे विश्वास रखना चाहिए। अत: प्रत्येक इन्सान की जितनी सहायता हो सके करनी चाहिए। आदमी को कभी भी किसी का निरादर नहीं करना चाहिए ,प्रत्येक मानव का आदर -सत्कार करना चाहिए। जीवन बार-बार नहीं मिलता है,ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है। यह एक शाश्वत सत्य है और बेईमानों का सत्यनाश हुआ है। खुदा के घर में देर है अन्धेर नहीं है ।आदमी को समय से डरना चाहिए क्योकि वक्त का कोई पता नहीं कि कब कौन मिट्टी में मिल जाए। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए। मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है ।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें ।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं ।हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए क्योकि सच्चाई की सदा जीत हुई है ।सांच को आंच नहीं आती ।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए ।भूखे को रोटी खिलाओं, हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है ।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए ।ताकि विपतीयों का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों को आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे ।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं ।मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है ।इंन्सानियत को हमेशा जिंदा रखें किसी गरीब को न सताएं ।मानवता ही मानव की असली पूंजी है ।समाज के हर मानव की सहायता करनी चाहिए। यह अटल सच्चाई है।

विदेशी मुद्रा बचाने की चुनौती : सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी

होर्मुज संकट से बढ़ी चिंता

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव के चलते पिछले ढाई माह से होर्मुज समुद्री मार्ग प्रभावित है। इसके कारण दुनिया भर में तेल और गैस संकट गहराता जा रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है, क्योंकि देश की बड़ी मात्रा में तेल और गैस की आपूर्ति इसी मार्ग से होती रही है। हालांकि भारत सरकार ने स्थिति को संभालने में अब तक संतुलित भूमिका निभाई है और पेट्रोलियम पदार्थों का कोई बड़ा संकट उत्पन्न नहीं होने दिया।

दुनिया के कई देशों ने तेल संकट के कुछ ही दिनों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा दिए थे, लेकिन भारत ने करीब 75 दिन बाद सीमित बढ़ोतरी की। इसके बावजूद आने वाले समय में कीमतें और बढ़ सकती हैं, जिससे देश का आयात बिल और विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ना तय है।

प्रधानमंत्री की अपील और उसकी जरूरत - स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने, वर्क फ्रॉम होम अपनाने और कुछ समय तक सोना खरीदने से बचने की अपील की है। यह अपील केवल सरकार की चिंता नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

भारत में सोने को सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। अनुमान है कि भारतीय घरों में लगभग 40 हजार टन सोना मौजूद

है। देश में सोने का उत्पादन बेहद कम होने के कारण इसका भारी आयात करना पड़ता है। पिछले वर्ष भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया था। इससे विदेशी मुद्रा का बड़ा हिस्सा खर्च होता है।

बैंकिंग और निवेश व्यवस्था पर भरोसे की जरूरत - भारतीय समाज में सोना खरीदने की प्रवृत्ति के पीछे एक बड़ा कारण बैंकिंग व्यवस्था और शेयर बाजार पर सीमित भरोसा भी है। बड़ी मात्रा में सोना घरों में निष्क्रिय निवेश के रूप में पड़ा रहता है। सरकार को ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जिससे लोग बैंकिंग और वैकल्पिक निवेश साधनों पर अधिक विश्वास कर सकें।

जाम और खराब सड़कें बढ़ा रहीं ईंधन की बर्बादी - विदेशी मुद्रा की सबसे अधिक खपत पेट्रोलियम आयात पर होती है। भारत में वाहनों का माइलेज कम होने के पीछे खराब सड़कें, कमजोर ट्रैफिक व्यवस्था और लगातार लगने वाले जाम बड़ी वजह हैं। छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक यातायात बाधाएं आम हो चुकी हैं। टोल नाकों, अतिक्रमण और खराब सड़क डिजाइन के कारण लाखों लीटर ईंधन हर दिन बर्बाद होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ट्रैफिक प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक टोल सिस्टम और सड़क अतिक्रमण हटाने जैसे कदम प्रभावी ढंग से लागू किए जाएं तो देश अरबों रुपये का ईंधन बचा सकता है। इससे विदेशी मुद्रा की भी बड़ी बचत संभव होगी।

विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करनी होगी

देश का एक बड़ा संपन्न वर्ग पर्यटन, खरीदारी और शादी-ब्याह के लिए विदेशों का रुख करता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य विदेशी उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि देश में अभी भी कई गुणवत्तापूर्ण विकल्प उपलब्ध नहीं हैं।

यदि भारत को विदेशी मुद्रा की बचत करनी है तो ।मेक इन इंडिया। और घरेलू उत्पादन को और मजबूत करना होगा। बेहतर गुणवत्ता वाले भारतीय उत्पाद ही आयात पर निर्भरता कम कर सकते हैं।

सामूहिक जिम्मेदारी से ही समाधान

विदेशी मुद्रा बचाने की चुनौती केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

ईंधन की बचत, घरेलू उत्पादों को प्राथमिकता, अनावश्यक आयात में कमी और ट्रैफिक सुधार जैसे कदम देश की आर्थिक मजबूती के लिए जरूरी हैं। यदि सरकार और समाज मिलकर दीर्घकालिक सोच के साथ काम करें तो भारत भविष्य के आर्थिक संकटों का मजबूती से सामना कर सकता है।

मुख्यमंत्रियों की हार : लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश

जनता के फैसले के आगे सत्ता बेबस

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यहां जनता अंतिम निर्णायक होती है। चाहे नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, यदि वह जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता तो मतदाता उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने में देर नहीं लगाते। यही कारण है कि समय-समय पर कई मुख्यमंत्री अपनी ही विधानसभा सीटों पर हार का सामना करते रहे हैं। यह केवल चुनावी हार नहीं, बल्कि जनता द्वारा दिया गया स्पष्ट राजनीतिक संदेश होता है।

उत्तर प्रदेश से शुरू हुई परंपरा

मुख्यमंत्रियों के चुनाव हारने का सिलसिला नया नहीं है। इसकी शुरुआत 1971 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिभुवन नारायण सिंह की मनीराम सीट पर हार से हुई थी। इस घटना ने पहली बार यह साबित किया कि मुख्यमंत्री पद किसी भी नेता की जीत की गारंटी नहीं बन सकता। इसके बाद कई बड़े नेता जनता के फैसले का शिकार बने।

2009 में झारखंड के मुख्यमंत्री शिबू सोरेन तमाड़ उपचुनाव हार गए थे। इसी तरह 2011 में पश्चिम बंगाल में 34 वर्षों के वाम शासन के अंत के साथ मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की हार ने राजनीतिक इतिहास बदल दिया। उत्तराखंड में भी जनता ने कई बार सत्ता को संदेश दिया। 2012 में भुवन चंद्र खंडूड़ी और 2017 में हरीश रावत की हार इसी का उदाहरण रही। 2022 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपनी सीट हार गए, जबकि भाजपा राज्य में पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौटी थी।

सत्ता का अहंकार बनता है सबसे बड़ा कारण

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी मुख्यमंत्री की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण सत्ता का अहंकार और जनता से दूरी बन जाना होता है। जब नेता लंबे समय तक सत्ता में रहते हैं तो कई बार वे जनता की भावनाओं और जमीनी मुद्दों को नजरअंदाज करने लगते हैं। यही स्थिति उनके पतन की शुरुआत बनती है।

हिमाचल प्रदेश में प्रेम कुमार धूमल की हार हो या गोवा में लक्ष्मीकांत पारसेकर की पराजय, इन घटनाओं ने दिखाया कि संगठन और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा सत्ता के लिए घातक साबित होती है। जनता यह कभी स्वीकार नहीं करती कि उसका प्रतिनिधि सेवक से शासक बनने की कोशिश करे।

हालिया चुनावों ने दिए बड़े संकेत

पिछले कुछ वर्षों में मुख्यमंत्रियों की हार का सिलसिला और तेज हुआ है। 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट पर हार का सामना करना पड़ा। पंजाब में 2022 के चुनाव में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी अपनी दोनों सीटें हार गए। ओडिशा में लंबे समय तक सत्ता में रहे नवीन पटनायक को भी हार का सामना करना पड़ा, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि जनता समय-समय पर बदलाव चाहती है।

हालिया चुनावों में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की कोलाथुर सीट पर हार और कर्नाटक में सिद्धारमैया की चामुंडेश्वरी सीट से पराजय ने यह संदेश और मजबूत किया कि कोई भी नेता अजेय नहीं होता।

स्थानीय मुद्दे भी निभाते हैं अहम भूमिका

मुख्यमंत्रियों की हार केवल व्यक्तिगत असफलता नहीं होती। कई बार स्थानीय मुद्दे, जातीय समीकरण, संगठनात्मक कमजोरी, उम्मीदवार चयन और गुटबाजी जैसी परिस्थितियां भी इसकी वजह बनती हैं। इससे राजनीतिक दलों को यह सीख मिलती है कि केवल शीर्ष नेतृत्व की लोकप्रियता के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते।

लोकतंत्र का सबसे बड़ा सबक

मुख्यमंत्रियों की हार भारतीय लोकतंत्र की ताकत को दर्शाती है। यह बताती है कि जनता हर समय सत्ता पर नजर रखती है और जरूरत पड़ने पर सबसे बड़े नेताओं को भी कठघरे में खड़ा कर सकती है। लोकतंत्र में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए नेताओं को जमीन से जुड़े रहना होगा, जनता की भावनाओं को समझना होगा और सत्ता को सेवा का माध्यम मानना होगा, न कि अधिकार का प्रतीक।

यही भारतीय लोकतंत्र की असली शक्ति है, जहां जनता की खामोशी भी सत्ता के सबसे बड़े सिंहासन को हिला सकती है।

बेरंग बचपन

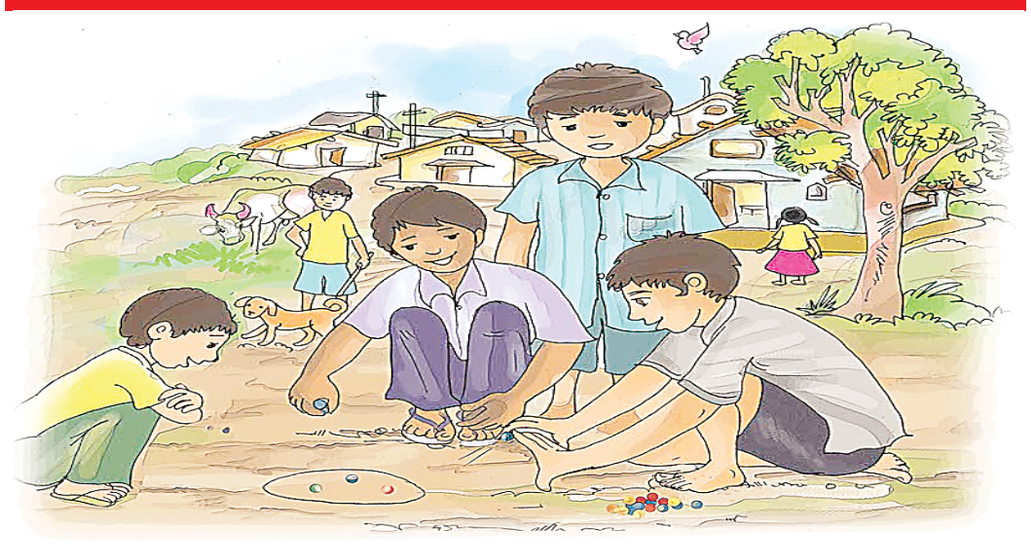

चिंटू - मन्नत चल हमारे साथ होली खेलने।
मन्नत - नहीं अभी मेरे पापा रंग लेने गए हैं। जब रंग लेकर आएंगे तभी खेलूंगी मैं होली।
चिंटू - तूने दिवाली पर भी ऐसे ही बोला था और तब भी तेरे पापा कुछ नहीं लाए थे, देखना आज भी कुछ नहीं लाएंगे।
मन्नत भड़क जाती है।
मन्नत - लाएंगे मेरे पापा, तू जा यहाँ से।
चिंटू - नहीं लाएंगे।
मन्नत - आआ...!
मन्नत जोर से चिल्लाती है और चिंटू भाग जाता है। पाँच साल की मन्नत गेट पर खड़ी अब खुद से बातें करने लगी।
मन्नत - ऐसे ही बोलता रहता है, देखना जब पापा रंग लाएंगे तब पता चलेगा सबको, वो भी इतने सारे रंग। और पानी वाले गुब्बारे भी लाएंगे फिर सब आकर बोलेंगे प्लीज मुझे भी दो, मुझे भी दो। और मैं इस चिंटू के बच्चे को एक भी नहीं दूंगी, तब मजा आएगा। पर इसकी बहन पिंकी तो अच्छी है। मुझे अपना शॉपनर भी देती है। हाँ! उसे दूंगी अपने होली के रंग और गुब्बारे और हम दोनों मिलकर सब पर रंग फेंकेंगे और इस चिंटू को तो खूब गंदा करेंगे।
गेट पर खड़े-खड़े मन्नत को शाम हो गई पर पापा अब तक नहीं आए होली के रंग लेकर।
आता भी कैसे, क्योंकि जीवन व्यस्त था अपने दोस्तों के साथ शराब पीने में।
जीवन - अजय वह नहीं लाए क्या? तुम्हें तो पता है अब शराब हल्की-फुल्की लगती है।
अजय - हाँ लाया हूँ, यह लो, करो ऐश।
अजय एक पुड़िया थमा देता है जीवन को और जीवन उसे कागज की पाइप बनाकर सूंघता है। उसके बाद एक गहरी सांस भरता है।
जीवन - सुकून आ गया यार।
अजय - तो इस सुकून की कीमत भी बहुत है।
जीवन - हाँ तो ले।
जीवन अपनी जेब से महीने भर की मजदूरी से कमाए सारे पैसे निकाल कर अजय के हाथ में रख देता है। वहीं जमीन पर लेट जाता है।
अंधेरा और रोशनी आपस में मिल रहे थे, दिन के फूल सोने लगे थे और रात के खिल रहे थे। कुदरत ने रोज की तरह सबके सर पर हाथ फेरा था, बस मन्नत के चेहरे पर अंधेरा था।
हल्की सी रोशनी में उसे पापा आते दिखे और वह फुलझड़ी की तरह खिल उठी। पर यह क्या? पापा को तो आज फिर दो-तीन लोग पकड़ कर ला रहे थे। और रोज की तरह आज भी जीवन नशे में धुत ही घर आया, वह भी दूसरों के सहारे।
मासूम सी मन्नत मायूस होकर दूसरे कमरे में जाकर बिना कुछ खाए ही सो गई।
अगली सुबह मासूम को उठते ही ख्याल आया।
मन्नत - ऐसा भी तो हो सकता है कि पापा रंग लाए हों? हाँ! लाए होंगे। अभी जाकर देखती हूँ।
झट से कमरे में जाकर वहाँ रखे टेबल पर सामान को उलट-पुलट करती है।
मन्नत - ओह्हो, यहाँ तो नहीं हैं। हम्म... समझी, पक्का छुपाए होंगे पापा ने।
और कमरे में यहाँ-वहाँ ढूंढने लगती है। मन्नत की हलचल से वहाँ सोए जीवन की नींद खुल जाती है। जैसे-जैसे उसकी आँखें खुलती हैं, वैसे-वैसे ही उसे मन्नत का चेहरा दिखते ही अपना बचपन याद आता है कि कैसे वह भी गेट पर खड़ा अपने पापा को याद करता था।
जीवन - कब आएंगे पापा? और कब लाएंगे मेरे लिए फौजी जैसे जूते। फिर मैं भी बड़ा होकर फौजी बनूंगा। और बड़ी सी बंदूक लेकर अपने देश की रक्षा करूंगा।
तभी जवानी के दिन भी आँखों में छा गए, जब पापा ने बाइक की चाबी हाथ में दी थी।
जीवन - Wo2 ! बाइक पापा, थैंक यू सो मच पापा। पर इतने पैसे?
पिता - बस हो गया बंदोबस्त।
जीवन - इतनी जरूरत नहीं थी पापा।
पिता - जरूरत क्यों न थी, कॉलेज के साथ तुम्हें ट्रेनिंग सेंटर भी जाना होता है। ऐसे तो देर हो जाती है तुम्हें और फौज का पहला नियम है वक्त पर चलना।
जीवन - जी पापा।
पिता - और कुछ बात बनी कहीं की नहीं?
जीवन - नहीं पापा, पर अगली भर्ती के लिए फुल तैयारी कर रहे हैं।
पिता - अच्छा! यह लो फीस।
जीवन - अच्छा तो मैं चलता हूँ।

कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर नहीं बल्कि जीवन तो सीधा अपने दोस्तों के पास जाता है और सबको बाइक मिलने की खुशी में पार्टी देता है। सब खूब नशा करते हैं और जीवन फीस के पूरे पैसे लुटा देता है, पिता की मेहनत और भरोसे को ताक पर रखकर।
जीवन को वह दिन भी याद आता है जब वह नशे का पूरी तरह आदी हो चुका था।
एक दिन वह हड़बड़ी में घर से निकलते हुए अपने पिता से टकरा जाता है और उसके हाथ से एक सोने की बाली गिर जाती है और पिता उसे उठा लेते हैं।
पिता - यह तो हमारी माँ की बाली है? यह तुम्हारे पास क्या कर रही है? और तुम कहाँ ले जा रहे हो इसे? तुमने कहा था कि तुम नशा छोड़ दोगे।
जीवन काँपते हुए।
जीवन - यह मुझे दे दो पापा प्लीज पापा प्लीज।
पिता - तू होश में क्यों नहीं आता?
पिता हाथ उठाते हुए कहते हैं।
पिता - तूने सब कुछ उजाड़ दिया है, यह घर, जमीन, अपना बचपन, मेरा बुढ़ापा। बेटी बिना माँ के रहती है। अरे कम से कम मरी हुई माँ की ही निशानी छोड़ दे।
जीवन - नहीं पापा यह मुझे दे दो प्लीज, मुझे कुछ हो रहा।
पिता - नहीं! यह मैं तुम्हें कभी नहीं दूंगा।
बाली को छीनने की कोशिश में पिता को धक्का देकर वह बाली को लेकर भाग जाता है।
इस झपटा-झपटी में कब पिता की जान गई, कब अर्थी उठी, उसे कुछ होश न रहा। बस नशे में धुत खेत में पड़ा रहा।
आज होश आया भी तो खुद को और मन्नत को बर्बाद कर के।
जीवन - यह क्या हो गया? मेरा बचपन तो गया पर अब अपनी बच्ची का प्यार, उसका बचपन नहीं खोने दूंगा।
मन्नत पूरे कमरे की तलाशी ले चुकी थी पर रंग नहीं मिले।
मन्नत - कहाँ ढूंढूं अब? अरे हाँ! पापा की जेब में होंगे। वह तो मैंने देखी ही नहीं। पर पापा उठ गए तो?
अरे पापा तो जगे हैं।
वह झट से पापा के गले लग जाती है और फिर जेब में हाथ डालकर तलाशी लेती है। पर कोई रंग नहीं मिलता सिवाय सफेद पुड़िया के।
मन्नत - पापा और कोई रंग नहीं था क्या? खत्म हो गए थे क्या सारे रंग? तो सबसे पहले खरीद लेते। मुझे तो यह रंग अच्छा नहीं लगता।
और मन्नत उसे फेंक कर कहती है।
मन्नत - बताओ क्यों नहीं लाए रंग? ऐसे क्यों देख रहे हो? बोलो कुछ?
जीवन की पलकें अब झपक नहीं रही थीं। उसकी आँखें खोली भी तो मौत ने!
अंत!

काव्य वर्षा

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद् ने किया संस्कृत शिक्षकों को सम्मानित

बरठी, 17 मई (देश राज) - राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद् जिला बिलासपुर द्वारा जिलाध्यक्ष डॉ . अशोक कुमार की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त होने वाले संस्कृत शिक्षकों को सेवानिवृत्ति से पूर्व सम्मान समारोह का आयोजन सुन्हाणी में किया गया । सेवानिवृत होने जा रहे शिक्षकों में धनीराम शास्त्री, भाग सिंह शास्त्री , सदानंद शास्त्री को संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट व सराहनीय कार्यों के लिए संस्कृत परिषद पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया तथा टोपी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजकीय संस्कृत शिक्षक परिषद् बिलासपुर जिलाध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कुमार , महासचिव सौरभ शर्मा , वित्त सचिव प्यारेलाल , संगठन मंत्री भूपेन्द्र सिंह , झण्डूत्ता खण्ड अध्यक्ष मनोज कुमार , महासचिव अजय गौतम, संन्दीप शास्त्री, अनन्त राम शास्त्री , रामलाल जी उपस्थित रहे।

घुमारवीं नगर परिषद चुनाव परिणाम घोषित, 9 वार्डों में विजेताओं के नाम आए सामने

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- नगर परिषद घुमारवीं के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम घुमारवीं गौरव चैधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि घुमारवीं नगर परिषद के सभी 09 वार्ड के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए है। जिनमें वार्ड नंबर 01 बड्डू से गीता देवी को 95 मत, बीना देवी को 118, शकुंतला को 124 तथा नोटा को 04 मत प्राप्त हुए। इस तरह शकुंतला विजेता रही। इस वार्ड में कुल 341 मत डाले गए थे।

इसी तरह जहां वार्ड नंबर 02 इंदिरा से मनोरमा देवी को 151 मत, सविता देवी को 279 तथा नोटा को 03 मत मिले। इस तरह सविता देवी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 433 मत डाले गए थे, तो वहीं वार्ड नंबर 03 अंबेदकर से अवदेश चंदेल को 137 मत, रामपाल को 233, सालीराम को 17, शिव कुमार को 117 तथा नोटा को 02 मत प्राप्त हुए। इस तरह रामपाल को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 506 मत डाले गए थे।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 04 कल्याणा से राजेश कुमार को 100 मत, विशाल को 90, सतीश कुमार को 70 तथा नोटा को 02 मत मिले। इस तरह राजेश कुमार को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 262 मत डाले गए थे। यही नहीं वार्ड नंबर 05 हारकुकार से तेग सिंह को 102 मत, देशराज को 66, राकेश कुमार चोपड़ा को 150, संदीप को 197 तथा नोटा को 03 मत प्राप्त हुए। इस तरह संदीप को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 518 मत डाले गए थे।

एसडीएम ने बताया कि वार्ड नंबर 06 जगदम्बा से रीता सहगल को 163 मत, शीला देवी को 147 तथा नोटा को 04 मत मिले। इस तरह रीता सहगल को निर्वाचित घोषित किया गया है।

इस वार्ड में कुल 314 मत डाले गए। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 07 बजोहा से अमित कुमार को 199, राकेश कुमार को 161 तथा नोटा को 01 मत प्राप्त हुए। इस तरह वार्ड नंबर 07 से अमित कुमार को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 361 मत डाले गए थे।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 08 टिक्करी से निशा कुमारी को 229 मत, बिमला देवी को 98, रचना शर्मा को 162 तथा नोटा को 01 मत मिले। इस तरह निशा कुमारी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 490 मत डाले गए थे। यही नहीं वार्ड नंबर 09 दकडी से राम प्यारी को 255 मत, स्वाति को 243 तथा नोटा को 02 मत प्राप्त हुए। इस तरह राम प्यारी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 500 मत डाले गए थे।

श्री नैना देवी जी नगर परिषद के चुनाव परिणाम घोषित

बिलासपुर (जितेंद्र गौतम)- नगर परिषद श्री नैना देवी जी के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए है। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम श्री नैना देवी जी धर्मपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री नैना देवी जी नगर परिषद के सभी 07 वार्ड के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए है। जिनमें वार्ड नंबर 01 देवी से दीपक शर्मा को 33 मत तथा महेश कुमार को 31 मत प्राप्त हुए। इस तरह दीपक शर्मा विजेता रही। इस वार्ड में कुल 64 मत डाले गए थे।

इसी तरह जहां वार्ड नंबर 02 तारा से अलकेन्द्र भूषण को 62 मत तथा प्रभात चंद को 12 मत मिले। इस तरह अलकेन्द्र भूषण को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 74 मत डाले गए थे, तो वहीं वार्ड नंबर 03 कालिका में रमन कुमार को 66 मत तथा सीता राम को 61 मत प्राप्त हुए। इस तरह रमन कुमार को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 127 मत डाले गए थे।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 04 दुर्गा से मंजू कुमारी को 63 मत तथा लता कुमारी को 53 मत मिले। इस तरह मंजू कुमारी को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 116 मत डाले गए थे। यही नहीं वार्ड नंबर 05 शीतला से अमन कौशिक को 42 मत तथा आरती को 47 मत प्राप्त हुए। इस तरह आरती को निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 89 मत डाले गए थे।

धर्मपाल ने बताया कि वार्ड नंबर 06 शक्ति से नितू को 23 मत तथा नीना शर्मा को 38 मत मिले। इस तरह नीना शर्मा को निर्वाचित घोषित किया गया है।

इस वार्ड में कुल 61 मत डाले गए उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 07 अंबिका से तन्प्रीत कौर को 12 तथा दीक्षा को 53 मत प्राप्त हुए। इस तरह वार्ड नंबर 07 अंबिका से दीक्षा का निर्वाचित घोषित किया गया है। इस वार्ड में कुल 65 मत डाले गए थे।

सराज में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष का तूफानी चुनाव प्रचार, कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

पूरे हिमाचल प्रदेश में भीषण आपदा के बाद से ही लगातार तमाम विकास कार्यों पर लगा हुआ है पूरी तरह से पूर्ण विराम

» प्रथम न्यूज । मंडी
17 मई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने रविवार को अपने गृह सराज विधानसभा क्षेत्र के जिला परिषद ब्रयोगी वार्ड के अंतर्गत महादेव भूमासी जी की तपोभूमि गाड़ागुसैनी एवं बगड़ाथाच में भाजपा समर्थित प्रत्याशी रोहित ठाकुर के पक्ष में सघन जनसंपर्क एवं चुनाव प्रचार किया, जहां उन्हें स्थानीय क्षेत्रवासियों का भरपूर स्नेह, समर्थन और आशीर्वाद प्राप्त हुआ। जनसभाओं को संबोधित करते हुए जयराम ठाकुर ने दावा किया कि जनता के अपार समर्थन और कार्यकर्ताओं के भारी उत्साह से यह पूरी तरह स्पष्ट है कि सराज विधानसभा के सभी जिला परिषद वार्डों में भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की प्रचंड विजय सुनिश्चित होगी। उन्होंने स्थानीय निकाय एवं नगर निगम चुनावों में शांतिपूर्ण मतदान के लिए शहरी क्षेत्र की जनता का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने अपना स्पष्ट जनादेश सुना दिया है और प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में जो भारी आक्रोश व्याप्त है, उसे उन्होंने अपने बहुमूल्य वोट के माध्यम से पूरी तरह से व्यक्त कर दिया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार ने अपनी संभावित हार को सामने देखकर पहले ही इन चुनावों को किसी न किसी तरह टालने का हरसंभव प्रयास किया था, लेकिन आज ये चुनाव माननीय सर्वोच्च न्यायालय के कड़े निर्देशानुसार ही संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने लोकतंत्र की दुहाई देते हुए कहा कि चुनाव लड़ना और चुनना आम लोगों का एक संवैधानिक अधिकार है, परंतु इस वर्तमान सरकार ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए लोकतंत्र की इस सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई को कुचलने का दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास किया है। जयराम ठाकुर ने विकास के मुद्दे पर घेराव करते हुए आरोप लगाया कि पूरे हिमाचल प्रदेश में भीषण आपदा के बाद से ही लगातार तमाम विकास कार्यों पर पूरी तरह से पूर्ण विराम लगा हुआ है और कांग्रेस सरकार अपने घोर वित्तीय कुप्रबंधन के कारण आज राज्य को गंभीर वित्तीय आपातकाल के दौर में ले आई है।

उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि ऐसे संकट के समय में जब केंद्र सरकार की बजट योजनाओं के सहारे चलने वाली पंचायतों को भी विकास कार्यों से महरूम रखा जा रहा है, तो यह अत्यंत निंदनीय है। केंद्र सरकार बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के हिमाचल को लगातार पर्याप्त बजट आवंटित कर रही है, लेकिन राज्य सरकार उस बजट को भी धरातल पर खर्च करने से पूरी तरह कतरा रही है। उन्होंने कहा कि छह महीने से अधिक का लंबा समय बीत चुका है, लेकिन पिछली बरसात से लेकर अभी तक प्रदेश में कहीं भी कोई नया विकास कार्य शुरू नहीं हो पाया है, जिससे न केवल ढांचागत विकास रुका है, बल्कि आम लोगों को मिलने वाले स्थानीय रोजगार पर भी पूरी तरह रोक लग गई है, जिसके कारण हमारी माताओं और बहनों में सरकार के प्रति गहरा रोष और नाराजगी है। इसके अतिरिक्त, पंचायतों के माध्यम से आम ग्रामीणों को मिलने वाले कई तरह के आवश्यक लाभों से भी इस सरकार ने जनता को अब तक पूरी तरह वंचित रखा है, जिसके लिए जनता आगामी चुनाव में कांग्रेस को उनके किए की कड़ी सजा जरूर देगी। जयराम ठाकुर ने विश्वास जताया कि जिस प्रकार शहरी जनता ने कांग्रेस की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अपने मतों का प्रयोग करके भाजपा के पक्ष में एकतरफा समर्थन दिया है, उससे यह बिल्कुल तय है कि पंचायतीराज चुनावों में भी ग्रामीण जनता कांग्रेस को एक कड़ा सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार केवल झूठी गारंटियों के सहारे छल-कपट से सत्ता में आई थी और अब जनता इनकी किसी भी खोखली गारंटी पर रत्ती भर भी विश्वास नहीं करने वाली है। अंत में उन्होंने संगठन को मजबूती का संदेश देते हुए आह्वान किया कि जहां भी भाजपा ने जिला परिषद के अधिकृत प्रत्याशी उतारे हैं, वहां पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपनी आपसी एकजुटता दिखाकर उनकी ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करें।

झूठ और अफवाह के सहारे चल रही सुक्खू सरकार, जनता देगी करारा जवाब

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों में अपनी निश्चित हार को सामने देख मुख्यमंत्री और उनकी मित्रमंडली बेहद निम्न स्तरीय हरकतों पर उतर आई है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए बरसात में हुए सुंदरनगर हादसे का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर चुनाव प्रचार का बताकर वायरल किया जा रहा है। आपदा प्रभावितों की भावनाओं का इस तरह का गलत इस्तेमाल करना मुख्यमंत्री की घटिया मानसिकता को दर्शाता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सीधे तौर पर सरकार को घेरते हुए कहा कि हिमाचल सरकार से करोड़ों रुपये का भुगतान लेने वाली पीआर एजेंसी और कांग्रेस का पूरा तंत्र प्रदेश में सिर्फ झूठ फैलाने का काम कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुक्खू की तुलना हिटलर के प्रोपेगंडा मंत्री जोसेफ गोयेबल्स से करते हुए कहा कि यह सरकार केवल झूठ, फरेब और मक्कारी के सहारे चल रही है।

ठाकुर ने दावा किया कि देश-विदेश में झूठ का परचम लहराने वाले मुख्यमंत्री अब पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं और प्रदेश की जनता चुनाव में उनके हर झूठ का करारा जवाब देगी।

हिमाचल में सीमेंट माफिया बेलगाम, कांग्रेस सरकार बनी तमाशबीन : राकेश जमवाल

डीजल, मालभाड़ा और अब सीमेंट महंगा – कांग्रेस राज में घर बनाना हुआ सपना : राकेश जमवाल

शिमला, (बी. शर्मा)- भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक राकेश जमवाल ने हिमाचल प्रदेश में सीमेंट कंपनियों द्वारा एक बार फिर 5 रुपये प्रति बोरी दाम बढ़ाने पर कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश में महंगाई बेलगाम हो चुकी है और सरकार पूरी तरह मूकदर्शक बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनवरी 2026 में भी सीमेंट कंपनियों ने 5 रुपये प्रति बोरी की बढ़ोतरी की थी। उस समय ACC सीमेंट 390 रुपये से बढ़ाकर 395 रुपये, ACC गोल्ड 435 से 440 रुपये, अंबुजा सीमेंट 400 से 405 रुपये और अल्ट्राटेक सीमेंट 395 से 400 रुपये प्रति बोरी किया गया था। राकेश जमवाल ने कहा कि इससे पहले भी प्रदेश में लगातार दो बार सीमेंट के दाम बढ़ाए गए थे, जिसके बाद कई क्षेत्रों में सीमेंट 435 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति बोरी तक पहुंच गया था। रिपोर्टों के अनुसार पिछले दो वर्षों में सीमेंट के दामों में लगभग 30 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन कंपनियों को हिमाचल की जमीन, पानी और प्राकृतिक संसाधनों का लाभ मिलता है, वही कंपनियां हिमाचल की जनता को पड़ोसी राज्यों की तुलना में महंगा सीमेंट बेच रही हैं। वर्ष 2012 में भी यह मुद्दा उठा था, जब प्रदेश में सीमेंट पंजाब और हरियाणा की तुलना में 50 से 75 रुपये प्रति बोरी महंगा बिक रहा था और तत्कालीन भाजपा सरकार के दबाव के बाद कंपनियों को 25 रुपये प्रति बोरी दाम घटाने पड़े थे।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस सरकार की कमजोरी और निष्क्रियता के कारण आज सीमेंट कंपनियां मनमानी कर रही हैं। प्रदेश में डीजल, परिवहन, सरिया और निर्माण सामग्री पहले ही महंगी हो चुकी है, ऊपर से लगातार सीमेंट के दाम बढ़ने से गरीब, मध्यम वर्ग, किसान और आपदा प्रभावित परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

राकेश जमवाल ने कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में घर बनाना पहले ही महंगा है और अब लगातार बढ़ती कीमतों ने आम आदमी का सपना तोड़ दिया है। हजारों परिवार आज भी प्राकृतिक आपदा के बाद अपने घरों का पुनर्निर्माण कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार को जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश सरकार तुरंत सीमेंट कंपनियों के साथ बैठक कर दामों में हुई बढ़ोतरी वापस करवाए और हिमाचल की जनता को राहत देने के लिए ठोस नीति बनाए। भाजपा जनता के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी और कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करती रहेगी।

चुनाव चिन्ह आवंटन में कोताही बरतने पर उपायुक्त ने किया एआरओ निलंबित

चुनावी ड्यूटी में किसी प्रकार की कोताही नहीं होगी स्वीकार, सहायक निर्वाचन अधिकारी रजनीश चौहान तत्काल प्रभाव से निलंबित

» प्रथम न्यूज । शिमला
17 मई (बी.शर्मा)

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप (आईएएस) ने पंचायत चुनाव प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में सहायक निर्वाचन अधिकारी रजनीश चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ग्राम पंचायत दलगांव, विकास खंड रोहड़ू में चुनाव चिन्हों के आवंटन में नियमों की अनदेखी पाए जाने के बाद की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रजनीश चौहान, जोकि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान समरकोट, तहसील रोहड़ू में ग्रुप इंस्ट्रक्टर के पद पर कार्यरत हैं, को आदेश संख्या आरबी/पंचायत इलेक्शन/2026-3507 दिनांक 06 मई 2026 के तहत ग्राम पंचायत दलगांव के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था। पंचायत चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत नाम वापसी की अंतिम तिथि के बाद 15 मई 2026 को चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित करने की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की थी।

जांच के दौरान यह पाया गया कि चुनाव चिन्हों का आवंटन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं किया गया। आदेशों में उल्लेख किया गया है कि चुनाव चिन्हों का आवंटन हिंदी वर्णमाला क्रम तथा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचित क्रम संख्या के आधार पर किया जाना आवश्यक था। यह प्रक्रिया हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम-42 के अंतर्गत निर्धारित है।

सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनाव चिन्हों के आवंटन में निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया और चिन्हों का वितरण प्रावधानों के विपरीत किया गया। जिला प्रशासन ने इसे चुनाव प्रक्रिया में गंभीर प्रक्रियागत त्रुटि और कर्तव्य में घोर लापरवाही माना है। आदेश में साफ किया गया है कि इस कार्रवाई से चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन में बाधा उत्पन्न हुई तथा प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हुई।

उल्लेखनीय है कि पंचायत चुनाव ड्यूटी के दौरान संबंधित अधिकारी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 160-ई के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के अधीन प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे थे। ऐसे में चुनावी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना गया है।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) अनुपम कश्यप ने कहा कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 160, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-च, सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965 के नियम-10 तथा राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रजनीश चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं।

आदेशों के अनुसार निलंबन अवधि के दौरान रजनीश चौहान का मुख्यालय खंड विकास अधिकारी कार्यालय, रोहड़ू निर्धारित किया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पंचायत चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमबद्ध तरीके से संपन्न करवाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चुनावी ड्यूटी में तैनात वाहन न दिए तो संबंधित विभाग पर होगी सख्त कार्रवाई

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनावों के दौरान विभिन्न विभागों के वाहनों को चुनावी ड्यूटी में लगाया गया है। लेकिन कई विभाग वाहनों को भेज नहीं रहे है। ऐसे विभागों के खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 तथा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार चुनाव कार्य को अत्यावश्यक सरकारी कार्य माना जाता है। इसलिए संबंधित विभागों को अपने वाहन एवं चालक उपलब्ध करवाने होते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष करवाने में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं होगी। चुनावी ड्यूटी में तैनात कर्मियों को दिशा निर्देशों के मुताबिक ही कार्य का निर्वहन करना होगा।

बंगाणा के बाबा पहाड़ियां मंदिर हिमुडा कॉलोनी में विशाल जागरण, विधायक विवेक शर्मा ने शिरकत करके लिया आशीर्वाद

माता चिंतपूर्णी की पावन ज्योति के स्वागत से भक्तिमय हुआ वातावरण , गूंजे माता रानी के जयकारे

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
17 मई (जोगिंद्र देव आर्य)

उपमंडल बंगाणा के बाबा पहाड़ियां मंदिर हिमुडा कॉलोनी बंगाणा में शनिवार रात्रि आयोजित विशाल जागरण श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम बन गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम में कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने विशेष रूप से शिरकत की तथा माता चिंतपूर्णी की पावन ज्योति का भव्य स्वागत किया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के दौरान जैसे ही माता चिंतपूर्णी की ज्योति मंदिर परिसर में पहुंची, श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ उसका स्वागत किया। जय माता दी के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। विधायक विवेक शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को एकता और भाईचारे की डोर में बांधने का कार्य करते हैं और युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ते हैं।

वर्ज़ाता परिवार ने किया विधायक विवेक शर्मा का किया भव्य स्वागत : इस अवसर पर सिया ब्रांड के सीएमडी युवा व्यवसायी अंकुश वर्ज़ाता, हंसराज वर्ज़ाता, ज्योति वर्ज़ाता, शिव कुमार वर्ज़ाता, सुमन वर्ज़ाता तथा समस्त परिवारिक सदस्यों ने विधायक विवेक शर्मा का गर्मजोशी से भव्य स्वागत भी किया। आयोजकों ने पारंपरिक तरीके से सम्मान स्वरूप शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किए। युवा व्यवसायी अंकुश वर्ज़ाता ने बताया कि यह विशाल धार्मिक आयोजन क्षेत्र की जनता के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि दिन में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं रात्रि में विशाल जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध गायक अजय माही ने माता रानी का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लोगों में सेवा भावना बढ़ती है। वर्ज़ाता परिवार ने कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, युवाओं और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

विधायक विवेक शर्मा बोले धार्मिक आस्थाएं समाज को देती हैं नई दिशा : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि हमारा समाज धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा हुआ समाज है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति प्रभु भक्ति में लीन होता है तो उसका जीवन सार्थक बनता है। धार्मिक आयोजन केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं होते, बल्कि यह समाज में प्रेम, भाईचारा और संस्कारों को मजबूत करने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक सोच विकसित करते हैं और लोगों को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा देते हैं। विधायक ने आयोजन समिति एवं वर्ज़ाता परिवार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इतने भव्य स्तर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्र में एक अच्छा संदेश दिया है।

इस अवसर पर कुटलैहड़ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विवेक मिंका ने कहा कि समाज में धार्मिक कार्यक्रम सनातन धर्म को और गति प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हर व्यक्ति धार्मिक आस्थाओं से जुड़ता है तथा समाज में एकता और सद्भावना का वातावरण मजबूत होता है।

प्रसिद्ध गायक अजय माही के भजनों पर झूम उठा पंडाल : बंगाणा के बाबा पहाड़ियां मंदिर हिमुडा कालौनी में विशाल जागरण में प्रसिद्ध भजन गायक अजय माही ने माता रानी के एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। जैसे ही उन्होंने माता के भजन गाने शुरू किए, पूरा पंडाल भक्तिमय माहौल में डूब गया। श्रद्धालु माता रानी के जयकारों के साथ भजनों पर नाचते और झूमते नजर आए। अजय माही ने गणेश वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उसके बाद माता रानी की महिमा का गुणगान किया। मेरी नैया पार लगा देना मां और चलो बुलावा आया है जैसे लोकप्रिय भजनों पर श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ झूम उठे।

रात्रि भर चले इस जागरण में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्थाओं के भी विशेष इंतजाम किए गए थे।आयोजकों द्वारा सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बिलासपुर नगर परिषद के चुनाव परिणाम घोषित

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
17 मई (धर्मपाल)

नगर परिषद बिलासपुर के चुनाव पनिगर परिषद बिलासपुर के चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम बिलासपुर सदर डॉ. राजदीप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद के सभी 11 वार्डों के चुनाव परिणाम जारी कर दिए गए हैं। मतगणना पूरी होने के बाद विजयी उम्मीदवारों और उनके समर्थकों में खुशी का माहौल देखने को मिला। कई वार्डों में कांटे की टक्कर देखने को मिली, जबकि कुछ उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 01 निहाल से नरेश देवी ने 284 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि आकृति को 163 मत मिले। इस वार्ड में कुल 449 मत पड़े। वार्ड नंबर 02 स्टेडियम से जमुना ने 359 मत प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की। इस वार्ड में कुल 617 मत डाले गए थे। वहीं वार्ड नंबर 03 रौड़ा से संजना शर्मा को 413 मत प्राप्त हुए और उन्होंने दीपा को हराकर जीत दर्ज की। इस वार्ड में कुल 543 मत पड़े। इसी प्रकार वार्ड नंबर 04 गुरूद्वारा से पूजा ने 348 मत लेकर जीत हासिल की। वार्ड नंबर 05 मेन मार्किट से नरेन्द्र पंडित को 434 मत मिले और वे विजयी घोषित किए गए। इस वार्ड में कुल 638 मत डाले गए। वार्ड नंबर 06 कोसरियां से मीना कुमारी ने 299 मत प्राप्त कर जीत हासिल की।

एसडीएम ने बताया कि वार्ड नंबर 07 चंगर से बंदना गौतम ने 230 मत लेकर जीत दर्ज की। वहीं वार्ड नंबर 08 लक्ष्मीनारायण मंदिर से अनिल कुमार को 281 मत प्राप्त हुए और वे विजेता बने। वार्ड नंबर 09 टाऊन हॉल में मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जहां अजय चंदेल ने 256 मत प्राप्त कर नईम मोहम्मद को बेहद कम अंतर से हराया।

उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 10 धौलरा से मनोज कुमार ने 378 मत लेकर जीत हासिल की। वहीं वार्ड नंबर 11 लखनपुर से मुकेश भाटिया ने 446 मत प्राप्त कर विजय दर्ज की। इस वार्ड में सबसे अधिक 873 मत डाले गए। नगर परिषद चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद पूरे शहर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। विजयी उम्मीदवारों ने क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया।

दिल्ली ने राजस्थान का बिगाड़ा खेल, पराग की टीम के लिए प्लेऑफ की राह हुई कठिन

जो काम मुंबई इंडियंस ने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजरात टाइटंस के साथ किया, वही काम दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को राजस्थान रॉयल्स के साथ किया। दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हराकर उसकी प्लेऑफ की राह मुश्किल करने के साथ ही अंतिम चार में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को भी जीवित रखा।

राजस्थान रॉयल्स ने दिल्ली कैपटिल्स के सामने 194 रन का लक्ष्य रखा, जिसे दिल्ली ने केएल राहुल (56) और अभिषेक पोरेल (51) की पहले विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी के दम पर चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस हार के साथ अब राजस्थान रॉयल्स के सामने प्लेऑफ में पहुंचने का एकमात्र रास्ता अपने दोनों मुकाबले जीतना है। हालांकि तब भी उसका प्लेऑफ में पहुंचना नेट रनरेट पर निर्भर करेगा।

तेज शुरुआत के बाद लड़खड़ाई दोनों टीमें

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दोनों ही टीमें तेज शुरुआत के बाद लड़खड़ाती नजर आईं। राजस्थान ने पावरप्ले में 75 रन जोड़े और 14वें ओवर तक 140 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बावजूद उसके बल्लेबाज 193 रन ही बना सके। वहीं दिल्ली ने भी पावरप्ले में 72 रन बनाए थे और 10वें ओवर में 101 रन बनाकर लक्ष्य दिल्ली के पहुंच में दिख रहा था, लेकिन अंत में उसके बल्लेबाजों ने भी संघर्ष किया और पांच विकेट गंवा दिए थे। राजस्थान के कप्तान का डोनोवान फरेरा 18वां ओवर देना भी समझ से परे रहा। उनके इस ओवर में कुल 16 रन आए जो हार का कारण रहा। इस ओवर से पहले दिल्ली को जीतने के लिए 3 ओवर में केवल 35 रन की जरूरत थी। इसके बावजूद उन्हें ओवर दिया गया।

मिचेल स्टार्क ने थामी रफ्तार

दिल्ली के मैदान पर तेज रफ्तार से दौड़ रही राजस्थान रॉयल्स की गाड़ी पर मिचेल स्टार्क ने अपने एक ही ओवर में ब्रेक लगा दिया। राजस्थान की पारी का 15वां ओवर फेंकने आए स्टार्क ने दूसरी गेंद पर कप्तान रियान पराग (51) को आउट किया और अगली गेंद पर डोनोवान फरेरा (0) का विकेट लेकर राजस्थान के खेमे में हलचल मचा दी। हालांकि, वह हैट्रिक से चूक गए, लेकिन फिर अगली गेंद पर रवि सिंह (4) को आउट कर पारी को थाम दिया।

14वें ओवर तक राजस्थान दो विकेट पर 140 रन बना चुकी थी और एक समय 250 का स्कोर भी उसकी पहुंच में लग रहा था। लेकिन स्टार्क के एक ओवर में पूरा खेल बदल दिया और राजस्थान आठ विकेट पर 193 रन बना सकी। स्टार्क ने चार विकेट झटके। उनके अलावा माधव तिवारी ने दो विकेट लिए। प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जीवित रखने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी।

जायसवाल ने पहले ओवर में जड़े तीन चौके : यशस्वी जायसवाल ने पहले ओवर में तीन चौके जड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे ओवर में लुंगी एनगिडी ने दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर यशस्वी जायसवाल को आउट कर राजस्थान को पहला झटका दिया, लेकिन इसके बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी वैभवशाली बल्लेबाजी शुरू की और मिचेल स्टार्क को फाइन लेग पर शानदार पुल शॉट लगाकर गेंद को मैदान से बाहर भेजा।

बेंगलुरु ने जीत के साथ प्लेऑफ का टिकट किया पक्का

पंजाब को मिली लगातार छठी हार

पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 23 रनों से जीत हासिल की। इसी के साथ उन्होंने प्लेऑफ के लिए टिकट पक्का कर लिया है। बेंगलुरु आईपीएल 2026 की पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। बेंगलुरु के लिए विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर ने अर्धशतक लगाया था।

बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 222 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में पंजाब की टीम 199 रन बना सकी और उन्हें लगातार 6 हार का सामना करना पड़ा। पंजाब के लिए अब प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा लेकिन उन्हें अपना अगला मैच जीतना होगा।

विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की बल्लेबाजी

पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बेंगलुरु ने 21 रनों के स्कोर पर जैकब बेथेल के रूप में पहला विकेट गंवाया। इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी हुई। विराट कोहली ने आईपीएल में अपने करियर का 67वां अर्धशतक लगाया। वे 37 गेंदों पर 58 रन बनाकर आउट हुए। पडिक्कल अर्धशतक लगाने से चूक गए और 45 रन बनाकर आउट हुए।

वेंकटेश अय्यर ने वापसी कर मचाया गदर

आईपीएल 2026 में वेंकटेश अय्यर को पंजाब के खिलाफ मुकाबले से पहले सिर्फ 3 मैचों में मौका मिला था। हालांकि, वे निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए आ रहे थे और इसी वजह से बड़ी पारी नहीं खेल सके थे। हालांकि, पंजाब के खिलाफ बैटिंग क्रम में उनका प्रमोशन किया गया और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए। पहली 10 गेंदों पर उन्होंने समय लिया लेकिन एक बार आंखें जमने के बाद उन्होंने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की।

अय्यर ने 40 गेंदों पर नाबाद 73 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 8 चौके और 4 छक्के निकले। टिम डेविड ने भी अंतिम ओवर में अपनी पावर दिखाई और 12 गेंदों पर 28 रन बनाए। अय्यर के अर्धशतक के दम पर आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 222 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया।

भुवनेश्वर कुमार की कहर बरपाती गेंदबाजी

भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2026 में कमाल की गेंदबाजी की है। उन्होंने धर्मशाला में भी नई गेंद के साथ जादू दिखाया और शुरुआत में 2 विकेट झटककर पंजाब को मुश्किल में डाल दिया। पंजाब की टीम ऐसी है, जिसने इस सीजन 265 रनों का विशाल स्कोर भी चेज किया था। ऐसे में बेंगलुरु को शुरुआत में ही विकेट की तलाश थी। भुवी ने वही किया और प्रियांश आर्या (0) और प्रभसिमरन सिंह (2) दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया।

श्रेयस अय्यर का भी नहीं चला बल्ला : कप्तान श्रेयस अय्यर टूर्नामेंट की शुरुआत में शानदार फॉर्म में थे लेकिन दूसरे हॉफ में फॉर्म ने उनका साथ छोड़ दिया है। अय्यर को रासिख सलाम डार ने 1 रन के स्कोर पर मैदान से बाहर भेजा। इसी के साथ पंजाब ने 19 रनों पर ही 3 विकेट गंवा दिए। इसके बाद सूर्यांश शेडगे और कूपर कोनोली ने मोर्चा संभाला। कोनोली बड़े शॉट्स खेलकर दबाव को कम करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उन्हें रोमारियो शेफर्ड ने अपना शिकार बनाया और 37 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। शेडगे भी बड़ी पारी नहीं खेल सके और 35 रन बनाकर आउट हो गए।

मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह की साझेदारी

पंजाब ने 5 विकेट गंवाने के बाद मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 32 गेंदों पर 67 रनों की साझेदारी हुई। जब ये दोनों खेल रहे थे, तो ऐसा लग रहा था कि पंजाब मुकाबले में वापसी कर रही है लेकिन 17वें ओवर में गेंदबाजी करने के लिए आए जोश हेजलवुड ने पहली गेंद पर स्टोइनिस को मैदान से बाहर का रास्ता दिखाया। वे 37 रन बनाकर आउट हुए। इसी के साथ दोनों की साझेदारी टूट गई। शशांक क्रीज पर डटे रहे और 22 गेंदों पर अर्धशतक लगाया।

पंजाब किंग्स को मिली हार

शशांक सिंह का अर्धशतक भी पंजाब को जीत नहीं दिला सका। पीबीकेएस को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 40 रनों की जरूरत थी। 19वें ओवर में जोश हेजलवुड गेंदबाजी करने के लिए आए और उन्होंने मात्र 7 रन खर्च किए। 20वें ओवर में रासिख सलाम डार ने गेंदबाजी की और उन्होंने शशांक को 56 रनों के स्कोर पर आउट कर दिया। उन्होंने ओवर में 9 रन दिए और बेंगलुरु ने 23 रनों से जीत हासिल की।

IPL 2026 में खराब प्रदर्शन करना ऋषभ पंत को पड़ेगा भारी, टेस्ट टीम की बड़ी जिम्मेदारी से कट सकता है पत्ता

राष्ट्रीय चयनकर्ता जब अफगानिस्तान के विरुद्ध सीरीज के लिए टेस्ट और वनडे अंतरराष्ट्रीय टीम चुनने के लिए मंगलवार को गुवाहाटी में बैठक करेंगे तो भारतीय टीम में हैरान करने वाले नाम नहीं होंगे लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में उप कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत के भविष्य पर गंभीर चर्चा हो सकती है। ऐसा समझा जाता है कि यह भावना बढ़ रही है कि 28 साल के इस तेजतर्रार विकेटकीपर बल्लेबाज को नेतृत्वकर्ता की भूमिका रास नहीं आ रही है। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ दो सत्र से ऐसे ही संकेत मिलते हैं। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि पिछले नवंबर में गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट मैच के दौरान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में जब पंत को कप्तानी सौंपी गई थी तो वह रणनीतिक तौर पर बहुत चतुर नहीं थे।

ऋषभ पंत से वापस ली जा सकती है जिम्मेदारी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के एक सूत्र ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि भारतीय क्रिकेट ऋषभ जैसे बल्ले से मैच विजेता को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टेस्ट मैच जिताए हैं। जो लोग मायने रखते हैं उनमें यह भावना बढ़ रही है कि जब भी उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई तो उन्होंने बल्लेबाजी करते समय अच्छे फैसले नहीं लिए।

उन्होंने कहा कि उसे खुलकर खेलने का मौका देना चयन समिति के दिमाग में सबसे ऊपर हो सकता है। पंत का मौजूदा फॉर्म चयन समिति की रातों की नींद उड़ा सकता है, क्योंकि वनडे प्रारूप में केएल राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर के रूप में उनकी जगह पर सवालिया निशान बना हुआ है। ध्रुव जुरेल, संजू सैमसन और ईशान किशन की मौजूदगी में पंत को 50 ओवर के प्रारूप के लिए दबाव महसूस हो सकता है।

जसप्रीत बुमराह को मिल सकता है आराम : अगर बीसीसीआई की मेडिकल टीम को जसप्रीत बुमराह के काम के बोझ से कोई दिक्कत नहीं है तो यह सीनियर तेज गेंदबाज एकमात्र टेस्ट खेलेगा लेकिन मौजूदा आईपीएल के दौरान उनके काम के बोझ को देखते हुए तीन मैच की वनडे सीरीज में उनके खेलने की कोई संभावना नहीं है। सूत्र ने कहा कि अगर उनके काम के बोझ को लेकर थोड़ी सी भी दिक्कत होती है तो उन्हें पूरी सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा।

सूर्यकुमार यादव पर हो सकता है फैसला

मौजूदा आईपीएल सत्र में भारतीय तेज गेंदबाजों के बीच प्रभावी प्रदर्शन करने वाले प्रिंस यादव को श्रीलंका में त्रिकोणीय लिस्ट-ए सीरीज के लिए नहीं चुना गया है क्योंकि वह अफगानिस्तान के विरुद्ध वनडे सीरीज के लिए चुने जाने के मजबूत दावेदार हैं। हालांकि, भारत अफगानिस्तान के विरुद्ध कोई टी-20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेल रहा है लेकिन चयन समिति के सचिव देवजीत सैकिया के साथ सूर्यकुमार यादव के भविष्य के बारे में अनौपचारिक बातचीत करेगी, क्योंकि पिछले डेढ़ साल से उनका फॉर्म खराब चल रहा है।

माना जा रहा है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के इनपुट सूर्यकुमार का राष्ट्रीय कप्तान के तौर पर भविष्य तय करने में बहुत काम आएंगे। अगर उन्हें कप्तानी से हटा दिया जाता है तो उनके लिए बल्लेबाज के तौर पर टीम में अपनी जगह बनाए रखना मुश्किल होगा। सबसे सुरक्षित विकल्प यह है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के विरुद्ध अगुआई करने का मौका दिया जाए और उस सीरीज में बल्ले से उनके प्रदर्शन को देखते हुए उनके भविष्य पर फैसला किया जाए। लेकिन अब इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि चयनकर्ता उस रास्ते पर चलेंगे।

कुख्यात अलिया गैंग के सफाए से शुरु पदोन्नति के शिखर ए एस पी पद पर आसीन हुआ अशोक वर्मा का सराहनीय कालखंड

» प्रथम न्यूज । कानपुर

17 मई (सुनील बाजपेई)

जिसकी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली वाली जांच पर आज भी लोगों को पूरा भरोसा है। कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में वह सीबी सीआईडी कानपुर सेक्टर में पहले से ज्यादा सक्रिय हो गई है।

अवगत कराते चलें कि कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में निष्पक्ष जांच पड़ताल के रूप में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही में अग्रणी जिस सीआईडी पुलिस की सतर्कता और सक्रियता की चर्चा की जा रही है, आजकल उस सीआईडी के कानपुर सेक्टर की कमान निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में भी अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार, व्यवहार कुशल तथा बेहद स्वाभिमानी और परोपकारी स्वभाव के एएसपी अशोक कुमार वर्मा के हाथ में है।

अपनी जुझारू नौकरी के अबतक कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए अनेक अपराधियों को जेल की हवा खिला चुके बृजभूमि मथुरा में जन्मे और वर्तमान में जनपद हाथरस के निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से संबंध रखने वाले कठोर परिश्रम, अनुशासन और सेवा भाव के भी प्रतीक अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन उन्होंने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया।

जानकारी के मुताबिक1989 में उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर भर्ती होकर अपने कैरियर की शुरुआत करते हुए अलीगढ़ के अलिया गैंग के अलिया सहित 3 हार्ड कोर अपराधियों के एनकाउंटर में पूर्ण सफाए के फलस्वरूप ही आउट आफ़ टर्न पदोन्नति पाकर 1998 में इंस्पेक्टर और करीब 16 वर्षों तक इसी पद पर जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कठोर परिश्रम और कर्तव्य के प्रति अपनी ईमानदारी पूर्ण प्रगाढ़ निष्ठा के चलते वर्ष 2014 में प्रोन्नति पाकर डिप्टी एस पी और अब अपर पुलिस अधीक्षक यानी एएसपी के पद पर पहुंचने वाले बिरले पुलिस अधिकारियों में से एक सरल और शालीन स्वभाव के सीबीसीआईडी के सेक्टर ऑफिसर एएसपी अशोक कुमार वर्मा की कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही लोकहित में निरंतर निरत कर्म योगी एएसपी अशोक कुमार वर्मा जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं।

वहीं कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली, कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकते। यही वजह है कि अपने विभागीय कर्तव्य का पालन पूरी निष्ठा के साथ करने वाले लोकप्रिय कार्यशैली के ए एस पी अशोक कुमार वर्मा की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है।

कुल मिलाकर अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देशों का अक्षरश: पालन करने में भी अग्रणी होने के साथ ही पीड़ितों के पक्ष में और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के रूप में योगी सरकार का इकबाल भी लगातार बुलंद कर रहे लोकहित में अपनी धुन के पक्के कठोर परिश्रमी एडिशनल एसपी अशोक कुमार वर्मा की निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली वाली नेतृत्व कुशलता का सार्थक परिणाम सीआईडी की लोकप्रियता और जन विश्वास में और अधिक इजाफा करने वाला भी माना जा रहा है।

राज्य सरकार ने अपनी सभी दस गारंटियों पूरी की: कांग्रेस

नेता प्रतिपक्ष बताएं, कौन सी गारंटी पूरी नहीं हुई: कांग्रेस

» प्रथम न्यूज । शिमला

17 मई (बी. शर्मा)

स्वास्थ्य मंत्री डॉ (कर्नल) धनी राम शांडिल और पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने सभी गारंटियों को पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो कहती है, वह करती है। उन्होंने पूछा कि नेता प्रतिपक्ष बताएं, राज्य सरकार ने कौन सी गारंटी को पूरा नहीं किया है।

दोनों मंत्रियों ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पहली ही कैबिनेट बैठक में 1.36 लाख कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना बहाल कर कांग्रेस की पहली गारंटी को पूरा किया, जबकि सत्ता में रहते हुए जय राम ठाकुर ने पेंशन के लिए कर्मचारियों को चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि दूसरी गारंटी के तहत इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख-सम्मान निधि योजना के तहत पात्र महिलाओं को चरणबद्ध तरीके से 1500 रुपये प्रति माह प्रदान किये जा रहे हैं। योजना के पहले चरण में प्रदेश की 35,687 महिलाओं को सम्मान निधि के रूप में 29.12 करोड़ रुपये जारी किए गए और अब दूसरे चरण में एक लाख अति गरीब परिवारों की महिलाओं को 1500 रुपये पेंशन मिलने जा रही है। यही नहीं, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश में 680 करोड़ रुपये की राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना शुरू कर अपनी एक और गारंटी को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि किसानों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने किसान आयोग बनाया है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए इस वित्त वर्ष से प्राकृतिक खेती से उगाई गई गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये, मक्की का 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये, पांगी घाटी की जौ का मूल्य 60 रुपये से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है। इसके अलावा हल्दी का न्यूनतम समर्थन मूल्य 90 से बढ़ाकर 150 रुपये और पहली बार अदरक के लिए समर्थन मूल्य 30 रुपये प्रति किलोग्राम किया गया है। इसके अलावा राज्य सरकार ने गाय के दूध का समर्थन मूल्य 32 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये तथा भैंस के दूध का समर्थन मूल्य 47 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये प्रति लीटर किया है।

इसके अलावा वर्तमान सरकार ने एक और गारंटी को पूरा करते हुए पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिए 300 रुपये प्रति क्विंटल की दर से जैविक खाद और वर्मी कम्पोस्ट खरीद आरम्भ की है।

डॉ (कर्नल) धनी राम शांडिल और अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए सभी सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से इंग्लिश मीडियम शुरू किया गया है। हर विधानसभा क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल खोले जा रहे हैं। इसके अलावा 156 सीबीएसई स्कूल भी खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार देने के वादे को पूरा करते हुए सरकारी क्षेत्र में ही पिछले तीन वर्षों में 23,200 से अधिक युवाओं को नौकरी दी गई है। हज़ारों की संख्या में ख़ाली पदों को भरने की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा निजी क्षेत्र में भी 51,400 युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने बागवानों को उनके उत्पादों की कीमत तय करने का अधिकार सुनिश्चित किया है तथा उन्हें उत्पादों के बेहतर दाम मिल रहे हैं। यूनिवर्सल कार्टन प्रणाली लागू होने से सेब बागवानों की आय बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश बागवानी नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य है तथा मंडी मध्यस्थता योजना में सेब, किन्नू, माल्टा, संतरा और गलगल जैसे फलों के समर्थन मूल्य में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

दोनों मंत्रियों ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए राज्य सरकार ने कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की सुविधा के साथ-साथ पेट स्कैन, थ्री टेस्ला एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी आधुनिक मशीनें स्थापित की गई हैं, ताकि प्रदेश में ही मरीज़ों को सस्ता और सुलभ इलाज मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 'अपना परिवार-सुखी परिवार' योजना के तहत अति गरीब परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली प्रति माह देने का निर्णय लिया है। इस योजना से एक लाख परिवार लाभान्वित होंगे।

विश्व संग्रहालय दिवस पर प्रयागराज के अनोखे दुकानजी कोलाज संग्रहालय को नई पहचान दिलाने की मांग

» प्रथम न्यूज । प्रयागराज

17 मई (ब्यूरो)

विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्रयागराज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को लेकर विशेष चर्चा रही। जहां एक ओर इलाहाबाद संग्रहालय अपनी ऐतिहासिक वस्तुओं और पुरातात्विक खुदाई में मिली धरोहरों के माध्यम से इतिहास को जीवंत करता है, वहीं दूसरी ओर प्राचीन मोहल्ला दारागंज में स्थित दुकानजी कोलाज संग्रहालय भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

यह अनोखा संग्रहालय उन पुरानी और विलुप्त होती वस्तुओं को संजोने का कार्य कर रहा है जिन्हें लोग अक्सर बेकार समझकर फेंक देते हैं या बेच देते हैं। दुकानजी ने इन वस्तुओं को घर-घर जाकर लोगों से मांगकर एकत्रित किया और उन्हें एक छोटे से कमरे में सहेजकर संग्रहालय का रूप दिया। वर्ष 1989 में मात्र 12म8 के कमरे से शुरू हुआ यह प्रयास आज उत्तर प्रदेश का एक अलग और अद्भुत कोलाज संग्रहालय बन चुका है। संग्रहालय में 100 से 150 वर्ष पुरानी

वस्तुएं, पारंपरिक उपयोग की सामग्री, दुर्लभ घरेलू उपकरण और बीते समय की संस्कृति को दर्शाने वाली चीजें संग्रहित हैं। यह संग्रहालय नई पीढ़ी को पुरानी विरासत और जीवनशैली से परिचित कराने का माध्यम बन रहा है।

स्थानीय लोगों और कला प्रेमियों का मानना है कि नगर निगम, महापौर और नगर आयुक्त को इस अनोखी पहल को बढ़ावा देने के लिए एक छोटी भूमि उपलब्ध करवानी चाहिए ताकि यहां एक सुंदर और व्यवस्थित मिनी कोलाज संग्रहालय विकसित किया जा सके। इससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों और यात्रियों के लिए यह एक विशेष आकर्षण का केंद्र बन सकता है। विश्व संग्रहालय दिवस पर यह मांग भी उठी कि ऐसे निजी प्रयासों को सरकारी सहयोग देकर सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

इन जगहों पर भोजन करना आपको बना सकता है कंगाल, आज ही छोड़ दें ये आदत!

हिंदू धर्म में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि एक पवित्र कर्म माना गया है. ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति जिस स्थान और वातावरण में बैठकर भोजन करता है, उसका असर उसके स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और आर्थिक जीवन पर भी पड़ता है. वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में बताया गया है, जहां बैठकर भोजन करना अशुभ माना गया है. मान्यता है कि इन स्थानों पर भोजन करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और धीरे-धीरे आर्थिक परेशानियां व्यक्ति को घेरने लगती हैं. आइए जानते हैं किन जगहों पर बैठकर भोजन करने को वास्तु शास्त्र में सही नहीं माना गया है.

बिस्तर पर बैठकर खाना

आजकल कई लोग टीवी देखते हुए या मोबाइल चलाते हुए बिस्तर पर खाना खाने की आदत बना लेते हैं. वास्तु शास्त्र में इसे बेहद अशुभ माना गया है. मान्यता है कि बिस्तर आराम और नींद का स्थान होता है, जबकि भोजन ऊर्जा ग्रहण करने की प्रक्रिया है.

ऐसे में दोनों का मिश्रण नकारात्मक प्रभाव पैदा करता है. कहा जाता है कि इससे घर में आलस्य बढ़ता है, मानसिक तनाव बना रहता है और आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है. साथ ही यह आदत स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक मानी जाती है.

टूटे-फूटे स्थान या गंदगी के पास भोजन करना

अगर कोई व्यक्ति गंदगी, टूटे फर्नीचर या खराब जगह के आसपास बैठकर भोजन करता है, तो यह भी वास्तु दोष माना जाता है. ऐसी जगहों पर नकारात्मक ऊर्जा अधिक सक्रिय रहती है, जिसका असर व्यक्ति की सोच और जीवन पर पड़ता है. इसलिए भोजन हमेशा साफ-सुथरी और शांत जगह पर ही करना चाहिए.

रसोईघर के दरवाजे पर बैठकर भोजन करना

वास्तु के अनुसार, रसोईघर को मां अन्नपूर्णा का स्थान माना जाता है. ऐसे में रसोई के दरवाजे पर बैठकर भोजन करना शुभ नहीं माना जाता. मान्यता है कि इससे घर की बरकत धीरे-धीरे कम होने लगती है और धन टिकता नहीं है. इसके अलावा दरवाजे पर बैठकर खाना खाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बाधित होता है, जिससे परिवार में तनाव और आर्थिक अस्थिरता बढ़ सकती है.

जूते-चप्पलों के पास बैठकर खाना खाना

कई बार लोग जल्दबाजी में ऐसे स्थान पर भोजन कर लेते हैं जहां जूते-चप्पल रखे होते हैं. वास्तु शास्त्र में इसे अशुद्ध माना गया है. माना जाता है कि इससे मां लक्ष्मी नाराज होती हैं और घर में आर्थिक संकट बढ़ने लगता है. भोजन करते समय आसपास का वातावरण पवित्र और सकारात्मक होना चाहिए, तभी भोजन का शुभ प्रभाव जीवन पर पड़ता है.

मेनडोर के पास बैठकर भोजन करना

घर के मुख्य दरवाजे के पास बैठकर भोजन करना भी वास्तु में सही नहीं माना गया है. मान्यता है कि मेनडोर से लगातार ऊर्जा का आवागमन होता रहता है. ऐसे में वहां बैठकर भोजन करने से मन अशांत रहता है और भोजन का सकारात्मक प्रभाव कम हो जाता है. वास्तु के अनुसार, इससे व्यक्ति के खर्च बढ़ सकते हैं और धन संचय में बाधा आ सकती है.

भोजन करते समय रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार, भोजन हमेशा शांत मन और साफ स्थान पर करना चाहिए. भोजन करते समय क्रोध, बहस या नकारात्मक बातें करने से भी बचना चाहिए. मान्यता है कि सही दिशा और सही स्थान पर बैठकर भोजन करने से न केवल स्वास्थ्य अच्छा रहता है, बल्कि घर में धन और सकारात्मक ऊर्जा का भी वास होता है.

क्या दरवाजे के पीछे आप भी लटकाते हैं ये चीजें? मुसीबत को देते हैं न्योता!

घर में लोग अनजाने में कहीं भी कोई चीज रख देते हैं, लेकिन वे वास्तु के अनुसार गलत भी हो सकती हैं. वास्तु शास्त्र कहता है कि घर के हर कोने में किसी न किसी प्रकार की एनर्जी होती है. घर के दरवाजे केवल आने-जाने का रास्ता नहीं होते, बल्कि सुखी और समृद्ध घर के द्वार होते हैं. आए दिन हम बिना ध्यान दिए कुछ चीजें दरवाजे के पीछे टांग देते हैं. इससे घर में निगेटिव एनर्जी एकत्रित हो सकती है. आइए आपको वास्तु शास्त्र के मुताबिक बताते हैं कि हमें दरवाजे के पीछे ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिन्हें नहीं टांगना चाहिए?

कपड़े

बहुत से लोगों को दरवाजे के पीछे हुक पर कपड़े टांगने की आदत होती है. लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, कपड़ों का यह बोझ घर में नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है. इससे परिवार के सदस्यों में मानसिक चिड़चिड़ापन, बेचैनी और लगातार भारीपन का एहसास होता है.

दवाइयां

सिर्फ याद दिलाने के लिए दवाइयों की थैली दरवाजे के पीछे न लटकाएं. दवाइयां बीमारी और कष्ट का प्रतीक हैं. वास्तु विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इन्हें दरवाजे के पीछे रखने से घर में बीमारी का प्रभाव बढ़ता है और अनावश्यक चिकित्सा खर्च भी बढ़ जाता है.

पुराना कैलेंडर

समय प्रगति का प्रतीक है. पुराने कैलेंडर को दरवाजे के पीछे छोड़ देने से जीवन में आपकी प्रगति रुक ??जाएगी. यह आपको पुरानी यादों में फंसाए रखेगा और जीवन में नए अवसरों को अपनाने से रोकेगा.

जूते

दरवाजे के पीछे चप्पल या जूते रखना वास्तु दोष का एक प्रमुख कारण है. ज्योतिष के अनुसार, जूते राहु से जुड़े होते हैं. जब इन्हें दरवाजे के पीछे रखा जाता है, तो राहु का नकारात्मक प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे घर में गरीबी और लगातार झगड़ों का माहौल बनता है.

गीला तौलिया

अगर आपको नहाने के बाद गीले तौलिये दरवाजे के बाहर सुखाने की आदत है, तो आज से ही इसे छोड़ दें. गीले कपड़े जल्दी ही निगेटिविटी को आकर्षित करते हैं. वास्तु विशेषज्ञों का कहना है कि इससे पति-पत्नी या परिवार के सदस्यों के बीच गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं.

31 मई को पूर्णिमा की रात आसमान में दिखेगा ये अद्भुत नजारा, जानें क्या होता ब्लू मून

इस महीने की आखिरी तारीख 31 मई को जेष्ठ पूर्णिमा है. इस रात आसमान में कुछ अनोखा देखने को मिलेगा. दरअसल, आसमान में एक दुर्लभ चंद्र संयोग देखने को मिलेगा, जो सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है क्योंकि एक ही समय पर 'ब्लू मून' और 'माइक्रो मून' दोनों दिखाई देंगे. द्रिक पंचांग के मुताबिक, भारत में पूर्णिमा तिथि 30 मई की सुबह 11 बजकर 57 मिनट से शुरू होगी और समापन 31 मई दोपहर 2 बजकर 14 मिनट पर होगा. पूर्णिमा उदिया तिथि में यानी 31 मई को मनाई जाएगी और इस दिन पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा.

31 मई को पूर्णिमा पर चांद अपने पूरे रूप में दिखाई देगा, लेकिन एक आम चमकीले और थोड़े बड़े पूरे चांद के बजाय कुछ अलग ही नजारा दिखेगा. यह थोड़ा छोटा, थोड़ा कम चमकीला और कुछ हद तक अनोखा लगेगा, जिसे रेयर ब्लू मून कहते हैं. इस तरह की घटना ढाई साल में एक बार होती है. इससे पहले 19 अगस्त 2024 को एक सुपर ब्लू मून दुनिया ने देखा था.

रेयर ब्लू मून क्या है?

'ब्लू मून' का रंग से कोई लेना-देना नहीं है. यह कैलेंडर पर आधारित एक खगोलीय घटना है. ऐसा तब होता है जब एक ही महीने में दो बार पूरा चांद दिखाई दे. सरल शब्दों में कहें तो एक ही महीने में दो बार पूर्णिमा पड़े. एक मई को पहली पूर्णिमा थी और 31 मई को दूसरी पूर्णिमा है. इस दौरान चांद का रंग नहीं बदलेगा. यह अब भी सफेद या हल्का पीला ही दिखाई देगा और रात के आसमान को पूरी तरह से रोशन करेगा. ब्लू मून शब्द पूरी तरह से खगोलीय भाषा का हिस्सा है.

ब्लू मून कब और कहां देखा जा सकता है?

ब्लू मून को देखने का सबसे अच्छा समय 31 मई की सुबह 4 बजकर 45 बजे (EDT) का है. भारतीय मानक समय के अनुसार, चांद दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर दिखाई देगा. इसे देखने का सबसे अच्छा समय 30-31 मई और 31 मई से 1 जून की रात है. आप जहां रहते हैं, उसके हिसाब से इसे सूर्यास्त के बाद या सूर्योदय से पहले देख सकते हैं.

कौन हैं वाग्देवी? जिनके भोजशाला मंदिर को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने ठहराया सही

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने विवादित भोजशाला स्थल को वाग्देवी मंदिर घोषित कर दिया है. कोर्ट ने यह भी कहा कि यह स्ट्रक्चर एक मंदिर है और मुसलमान मस्जिद के लिए कोई दूसरी जमीन मांग सकते हैं. जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की बेंच ने उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मुसलमानों को इस जगह पर नमाज पढ़ने की इजाजत दी गई थी. अब सवाल उठता है कि वाग्देवी कौन हैं, जिनके मंदिर को लेकर विवाद खड़ा हुआ?

पहले समझते हैं कि विवाद क्या था? दरअसल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की ओर 2003 में किए गए इंतजाम के मुताबिक, हिंदू और मुसलमान क्रमशः मंगलवार और शुक्रवार को नमाज पढ़ते आ रहे हैं. हिंदू पक्ष ने इस परिसर पर पूजा के विशेष अधिकार मांगने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. हिंदू याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह स्थल मूल रूप से देवी वाग्देवी का मंदिर था, जबकि मुस्लिम पक्ष ने कहा कि यह एक मस्जिद थी. एक जैन याचिकाकर्ता ने भी दावा किया कि यह ढांचा एक जैन मंदिर था.

1904 की ASI रिपोर्ट का दिया गया हवाला

कोर्ट ने सभी पक्षों से 2200 पन्नों वाली ASI रिपोर्ट के संबंध में अपनी आपत्तियां, सुझाव और सिफारिशें जमा करने को कहा था. यह रिपोर्ट मार्च और जून 2024 के बीच 11वीं सदी के इस स्थल के वैज्ञानिक सर्वेक्षण के बाद तैयार की गई थी.

रिपोर्ट में बताया गया था कि यह स्ट्रक्चर पहले के मंदिरों के अवशेषों का इस्तेमाल करके बनाया गया और वहां अभी जो मस्जिद का ढांचा खड़ा है, उसे काफी बाद में बनाया गया.

हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करते हुए वकील विष्णु शंकर जैन और विनय जोशी ने याचिकाकर्ता आशीष गोयल के साथ मिलकर यह तर्क दिया कि भोजशाला मूल रूप से एक मंदिर था और उन्होंने इस स्थल पर हिंदुओं के लिए विशेष पूजा के अधिकार की मांग की. 1904 की ASI रिपोर्ट का हवाला दिया गया, जिसमें वाग्देवी की उस मूर्ति की पहचान की गई थी जो अब ब्रिटिश संग्रहालय में रखी हुई है. उन्होंने तर्क दिया कि इस स्ट्रक्चर में मस्जिद की मुख्य विशेषताएं मौजूद नहीं हैं.

कौन है वाग्देवी?

वाग्देवी को ज्ञान, वाणी, बुद्धि, कला, साहित्य और संगीत की अधिष्ठात्री देवी कहा जाता है. दरअसल, ये माता सरस्वती का ही एक स्वरूप हैं. वेदों के मुताबिक, अगर वाग्देवी के शब्द का अर्थ देखा जाए तो वाक् का अर्थ वाणी बताया गया है और देवी का अर्थ हर कोई जानता है. अर्थात उन्हें वाणी की देवी की संज्ञा दी गई है और ब्रह्मस्वरूपा माना गया है. इसके अलावा वाग्देवी को विद्या की देवी और कामधेनु के स्वरूप में भी पूजा जाता है. हिंदू मान्यताओं के मुताबिक, वाग्देवी को श्वेत वस्त्रधारण किए हुए देखा जाता है. उनकी चार भुजाएं है और ज्ञान की देवी के रूप में पूजा की जाती रही है.

क्या आप जानते हैं... केवल पैसा-पैसा चिल्लाने वालों का कैसा होता है हस्र?

कुछ लोग दिनभर सिर्फ पैसा, पैसा, पैसा करते हैं और उन्हें कुछ और दिखाई नहीं देता है. इसको लेकर प्रसिद्ध ज्योतिषी डॉ. बसवराज गुरुजी ने कहा है कि सूर्योदय से सूर्यास्त तक केवल धन, धन, धन के बारे में सोचने का व्यक्ति के जीवन पर गहरा पड़ता है. जैसा कि बड़ों ने कहा है, अति सर्वत्र वर्जयेत् यानी किसी भी चीज की अधिकता नहीं होनी चाहिए. चाहे प्रेम हो, दुख हो, मोह हो, इच्छा हो या धन, अधिकता होने पर वह कांटे के समान हो जाती है.

उन्होंने कहा कि जब हम धन कमाने के लिए दूसरे रास्ते अपनाते हैं, यानी गलत रास्ते पर चलते हैं, तो हम रिश्तों को नजरअंदाज कर देते हैं, नैतिक मूल्यों को भूल जाते हैं और अपने रास्ते में आने वालों को कुचलने को तैयार हो जाते हैं. ईश्वर सब कुछ देख रहा है. इस तरह की कमाई हमारे जीवन का हिसाब बिगाड़ सकती है, यानी हमारे जीवन को ही नष्ट कर सकती है.

किस तरह कमाना चाहिए इंसान को धर्म

गुरुजी का कहना है कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चार पुरुषार्थ हैं. इन पुरुषों में, धर्म के बाद अर्थ (धन) आता है. इसका अर्थ है कि धर्म के अनुसार धन कमाना चाहिए.

धर्म के अनुसार धन कमाए, उस धन से अपनी इच्छाओं को पूरा करें और अंततः मोक्ष की ओर अग्रसर हों. हालांकि, बहुत से लोग केवल धन की चिंताओं में ही डूबे रहते हैं, सुख और आनंद से दूर हो जाते हैं. प्रकृति के प्रति अपना आकर्षण खो देते हैं. चाहे वे कितना भी धन कमा लें, उन्हें संतुष्टि नहीं मिलती. वे लाखों से करोड़ों, करोड़ों से हजार करोड़ के पीछे भागते रहते हैं, यह जाने बिना कि उनका जीवनकाल छोटा होता जा रहा है.

उन्होंने कहा कि धन का जुनून रिश्तों को बर्बाद कर देता है और हमें अपने मूल्यों को भुला देता है. ज्योतिष के अनुसार, धन के प्रति यह अत्यधिक चिंता दिव्य शक्ति को छीन लेती है. शास्त्रों में कहा गया है कि इससे वृद्धावस्था में अंगों की विफलता और बवासीर जैसी बीमारियां हो सकती हैं. धन का जुनून शरीर में कांटे की तरह चुभता है.

कब करें-कब न करें धन की चिंता?

शास्त्रों में आर्थिक मामलों की चिंता करने के लिए विशिष्ट समय बताए गए हैं. ब्रह्म मुहूर्त (सुबह) में धन की चिंता नहीं करनी चाहिए. इसी प्रकार, शाम को काम या व्यवसाय समाप्त करके घर लौटने के बाद भी धन की चिंता नहीं करनी चाहिए. यदि आप पर ऋण है, तो आप उसकी चिंता कर सकते हैं, लेकिन जो लोग शाम या ब्रह्म मुहूर्त में अत्यधिक धन की चिंता करते हैं, उन्हें अंतिम दिनों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है. अभिजी मुहूर्त (लगभग सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक) में धन की चिंता करना उचित है. दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक आर्थिक प्रयास किए जा सकते हैं. गुरुजी सलाह देते हैं कि व्यक्ति को धर्म के माध्यम से धन कमाना चाहिए, अत्यधिक इच्छाओं का त्याग करना चाहिए और संतुलित एवं सुखी जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए.

घर में लगातार लड़ाई होना किस देवी-देवता के नाराज होने का संकेत है? जानिए बचाव के उपाय

सनातन धर्म में घर केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि पॉजिटिव एनर्जी और देवी देवताओं के वास की जगह मानी जाती है। जब घर में बिना कारण के कलह क्लेश, छोटी छोटी बातों पर झगड़ना, परिवार में आपसी सद्भाव की कमी या रिश्तों में कड़वाहट बढ़ने लगे, तो इसे सिर्फ परिस्थिति नहीं, बल्कि नेगेटिव एनर्जी और देवी देवताओं के नाराज होने का संकेत माना जाता है। हिंदू धर्म के अनुसार, जिस भी घर में आए दिन लड़ाई झगड़े का माहौल बना रहता है, वहां लक्ष्मी जी वास नहीं करती हैं। ऐसे घरों में धीरे धीरे आर्थिक स्थिति खराब होते चली जाती है। इसके अलावा मानसिक तनाव और अशांति बढ़ने लगती है, जो व्यक्ति को विनाश की ओर ले जाती है। इसी वजह से बड़े बुजुर्ग घर में शांत वातावरण बनाए रखने की सलाह देते हैं।

कुल देवी-देवता के नाराज होने का संकेत

घर में आए दिन लड़ाई झगड़ा, कलह क्लेश और अशांति का माहौल विशेष रूप से कुल देवी-देवता के नाराज होने का संकेत माना जाता है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि, आपके द्वारा ऐसा कोई भी गलत काम न हो, जिससे आपके पितृ नाराज हो सकते हैं।

कुल देवी देवता के नाराज होने से परिवार में प्रेम कम होते चले जाता है और लगातार अशांति का माहौल बना रहता है। इसके अलावा गुरु ग्रह के कमजोर होने पर भी परिवार में आपसी टकराव देखने को मिल सकता है।

कुल देवी-देवता को प्रसन्न करने के उपाय

धार्मिक नजरिए से घर का वातावरण शांत और सौम्य बनाए रखने के लिए रोजाना सुबह शाम सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। इसके अलावा भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करने के साथ हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। शनिवार और अमावस्या के मौके पर जरूरतमंदों का दान कर घर में गंगाजल का छिड़काव करने से कुल देवी देवता प्रसन्न होते हैं। कुल मिलाकर घर में रहने वाले हर सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सम्मान और संयम की भावना बनी रहनी चाहिए। इसलिए सिर्फ पूजा ही नहीं, बल्कि व्यवहार को अच्छा रखना काफी जरूरी है।

धार्मिक ग्रंथ में परिवार की परिभाषा

भारतीय धार्मिक ग्रंथ अथर्ववेद के 3.30.1 श्लोक में कहा गया है कि,

स हृदयं सामानस्यम् अविद्वेषं कृणोमि वः।
अनुवत्सो वत्सं वि प्रत द्वेषो अध्न्येव सः॥

इसका मतलब है कि, परिवार के सभी सदस्यों के बीच मन की एकता, समानता होनी चाहिए। परिवार में किसी भी तरह का द्वेष उत्पन्न करने से बचें। जैसे गाय अपने बछड़े को प्यार करती है, ठीक उसी तरह तुम भी एक दूसरे से प्यार करो।